बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

सच का हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

संस्कार उजाला

हिन्दी समाचार पत्र को आवश्यकता है विज्ञापन एंव खबर लाने वाले स्टाफ की। सम्पर्क करें

मो0-9456278011

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 11 अंक : 82 | शुक्रवार 14 जुलाई 2023 गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

दिल्ली में बड़ा हादसा, 2 ट्रकों की टक्कर में 4 कांवड़ियों की मौत, 15 अन्य घायल

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली में गुरुवार तड़के दो ट्रकों की आमने-सामने की टक्कर में चार कांवड़ियों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने चारों कांवड़ियों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही सभी घायलों को इलाज के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, गुरुवार तड़के बाहरी दिल्ली में जीटी करनाल रोड पर सिरसपुर में एक कथित तेज रफ्तार ट्रक डिवाइडर से कूद गया और एक कांवड़ियों के ट्रक से टकरा गया। इस हादसे में वार्षिक कांवड़ यात्रा के लिए गंगाजल लाने के लिए हरिद्वार जा रहे चार कांवड़ियों की सड़क हादसे में मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। हादसे के बाद तेज रफ्तार ट्रक का चालक अपना ट्रक मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने उस पर लापरवाही से गाड़ी चलाने और मौत का कारण बनने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मृतकों और घायलों की शिनाख्त करने की कोशिश कर रही है। पुलिस उपायुक्त (बाहरी उत्तर) रवि कुमार सिंह ने कहा कि हरियाणा के नंबर वाला एक ट्रक जीटी करनाल रोड के सेंट्रल डिवाइडर को पार कर गया और कांवड़ियों (भगवान शिव के भक्तों) को ले जा रहे दूसरे ट्रक से टकरा गया। इस दर्दनाक हादसे में चार कांवड़ियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 15 अन्य घायल हो गए। डीसीपी ने कहा कि हमने अलीपुर पुलिस स्टेशन में 279 (रैश ड्राइविंग) और 304 ए के तहत मामला दर्ज किया है और आगे की जांच जारी है। पुलिस आरोपी ड्राइवर की तलाश कर रही है।

निर्मला सीतारमण से जेपी नड्डा तक के चुनाव लड़ने की चर्चा, 160 सीटों का सवाल; बड़े नाम करेंगे कमाल?

जपा के मदुरई शहरी जिला ने सीतारमण को चुनाव लड़ने के लिए प्रस्ताव पारित किया है। वित्तमंत्री का जन्म तमिलनाडु के मदुरई में ही हुआ था। यहां भाजपा 39 में से 25 सीटें जीतने की योजना बना रही है।

नई दिल्ली। 2024 लोकसभा चुनाव से पहले 160 'कमजोर' सीटों पर मंथन कर रही भारतीय जनता पार्टी बड़े मंत्रियों को भी चुनावी मैदान में उतार सकती है। अगर ऐसा हुआ, तो निर्मला सीतारमण, हरदीप सिंह पुरी समेत कैबिनेट के कई बड़े नाम लोकसभा चुनाव में दम भरते नजर आ सकते हैं। पार्टी दिग्गज राज्यसभा सांसदों पर भी दांव चल सकती है। खास बात है कि लंबे समय से टीएम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में भी फेरबदल की अटकलें हैं।

क्या नड्डा भी लड़ेंगे चुनाव?

इसी बीच भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के चुनाव लड़ने को लेकर भी चर्चाएं हैं। हालांकि, पार्टी नेताओं का कहना है कि आमतौर पर पार्टी अध्यक्ष लोकसभा चुनाव नहीं लड़ते हैं। हालांकि, साल 2019 में मौजूदा केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने तब अध्यक्ष रहते हुए गांधीनगर से लोकसभा चुनाव लड़ा था और जीत हासिल की थी।

राज्यसभा दिग्गजों पर भी दांव

आंकड़े बताते हैं कि राज्यसभा में भाजपा के 14 ऐसे नेता हैं, जो दो कार्यकाल पूरे कर चुके हैं या पूरा करने वाले हैं। इनमें कर्नाटक से राज्यसभा सांसद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, महाराष्ट्र से राज्यसभा सांसद पीयूष गोयल, राजस्थान से राज्यसभा सांसद भूपेंद्र यादव का नाम शामिल है। ये सांसद ऊपरी सदन में दो कार्यकाल पूरे कर चुके हैं या तीसरा कार्यकाल पूरा करने वाले हैं।

हालांकि, साल 2019 में मौजूदा केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने तब अध्यक्ष रहते हुए गांधीनगर से लोकसभा चुनाव लड़ा था और जीत हासिल की थी।

इनके अलावा पार्टी केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी, मनसुख मांडविया, राजीव चंद्रशेखर को भी मैदान में उतार सकती है। साथ ही प्रकाश जावड़ेकर, भुवनेश्वर कलिता, सीएम रमेश, नीरज शेखर, भाजपा महासचिव अरुण सिंह, अध्यक्ष नड्डा का के नाम पर भी चर्चाएं संभव हैं।

सीतारमण के लिए प्रस्ताव पारित

खबर है कि भाजपा के मदुरई शहरी जिला ने सीतारमण को चुनाव लड़ने के लिए प्रस्ताव पारित किया है। वित्तमंत्री का जन्म तमिलनाडु के मदुरई में ही हुआ था। खास बात है कि यहां भाजपा 39 में से 25 सीटें जीतने की योजना बना रही है। फिलहाल, यहां पार्टी के पास एक भी सांसद नहीं है। इधर, 2019 में पुरी ने भी अमृतसर से चुनाव लड़ा था, लेकिन कांग्रेस के गुरजीत औजला के खिलाफ हार गए थे।

कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला मामले में अब 15 को होगी अगली सुनवाई

वाराणसी। विशेष न्यायाधीश (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम)/ एमपी-एमएलए अवनीश गौतम की अदालत ने मंगलवार को 23 साल पुराने चक्काजाम, सरकारी संपत्तियों को नुकसान करने के मामले में अब 15 जुलाई को सुनवाई होगी। इस मामले में कांग्रेसी नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला आरोपी बनाए गए है। पिछले तिथि पर आरोपी ने हाईकोर्ट का हवाला देकर सुनवाई के कोई अन्य तिथि देने की गुहार लगाई थी। जिसे कोर्ट ने आरोप से मुक्त करने सबंधित अर्जी को दाखिल करने का एक अवसर दिया ।

अभियोजन पक्ष के बहुचर्चित संवासिनी कांड में कांग्रेस नेताओं को फर्जी ढंग से आरोपित बनाए जाने के विरोध में 21 अगस्त 2000 को युवा कांग्रेस आई के आल इंडिया अध्यक्ष रणदीप सिंह सुरजेवाला , कांग्रेस नेता एसपी गोस्वामी, अशोक मिश्र, विजय शंकर पांडेय के नेतृत्व में 700, 800 कांग्रेस कार्यकर्ता आयुक्त कार्यालय परिसर के जबरदस्ती घुस आए और मंडला आयुक्त कोर्ट में घुस कर नारेबाजी और हंगामा करने लगे। इसके बाद तोड़फोड़ भी किए। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब

समझाने का प्रयास किया तो वे लोग पुलिस से उलझ गए। जिसके बाद पुलिस टीम ने बल प्रयोग किया तो वो लोग पथराव करते हुए वहा से भागने का प्रयास करने लगे। इस दौरान पुलिस ने मौके से काग्रेस नेता सुरजेवाला , एसपी गोस्वामी आदि को गिरफ्तार किया था । इस मामले पुलिस में कैंट थाने में सैकड़ों कांग्रेस नेताओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना के बाद पुलिस ने कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया।

केदारनाथ-बदरीनाथ समेत चारों धामों की यात्रा रोकी, यह है उत्तराखंड मौसम पूर्वानुमान

देहरादून। उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी बारिश के चलते एहतियात के तौर पर केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री की यात्रा को रोक दिया है, हालांकि दर्शन कर लौट रहे तीर्थयात्रियों की आवाजाही जारी है। राज्य में बारिश से 449 सड़कें बाधित हो गई हैं। वहीं,जौलीग्रांट हवाई अड्डे पर दो विमान उतर नहीं पाए। अपराह्न करीब साढ़े चार बजे केदारनाथ घाटी में तेज बारिश होने के बाद प्रशासन ने यात्रा रोक दी है। दर्शन कर लौट रहे यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर रुकने की सलाह दी गई है। अपर जिलाधिकारी दीपेंद्र नेगी ने बताया कि पूर्वाह्न यात्री भेजे गए

थे, लेकिन भारी बारिश होने के बाद यात्रा को रोकना पड़ा। वहीं,शाम करीब सात बजे बदरीनाथ मार्ग पर भी कई स्थानों पर मलबा आने से यात्रा रोक दी गई है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंद किशोर जोशी ने बताया कि बदरीनाथ मार्ग पर खचड़ा नाला, कंचन गंगा, पागल नाला, छिन्का व पीपलकोटी के समीप कई स्थानों पर देर शाम भूस्खलन से सड़क बाधित हो गई है। वहीं, उत्तरकाशी जिला प्रशासन ने गंगोत्री और यमुनोत्री यात्रा को सुबह ही रोक दिया था। यमुनोत्री यात्रा ओजरी (स्यानाचट्टी) के पास सड़क पर 50 मीटर से ज्यादा मलबा आने और गंगोत्री यात्रा खीरगंगा के पास मलबा आने से रोकी गई है। बुधवार दोपहर बदरीनाथ हाईवे तोताघाटी के पास मलबा आने से सात घंटे तक अवरुद्ध रहा। दोपहर सवा दो बजे मार्ग को खोला जा सका। लोनिवि के अनुसार मंगलवार तक 315 सड़कें बंद थी, जबकि बुधवार को 243 सड़कें और बंद हो गई। इस तरह दिन तक बंद सड़कों की संख्या 558 पहुंच गई। हालांकि, देर शाम तक 109 सड़कों को खोल दिया गया। लोनिवि के एचओडी डीके यादव ने बताया कि बारिश से सड़कें खोलने में मुश्किलें आ रही है।

चंद्रयान-3 की लॉन्चिंग से पहले पूजा-पाठ में जुटे इसरो के वैज्ञानिक, तिरुपति मंदिर में आराधना

नई दिल्ली। चंद्रयान-3 मिशन के लिए उल्टी गिनती आज से शुरू होने वाली है। शुक्रवार को इसे एलवीएम-एम3 रॉकेट के जरिये दोपहर 2:35 बजे प्रक्षेपित कर दिया जाएगा। चांद पर सुरक्षित तरीके से यान उतारने का यह मिशन सफल रहा तो भारत उन चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हो जाएगा, जो ऐसा कर पाने में सफल हुए हैं। लॉन्चिंग से पहले इसरो के वैज्ञानिक पूजा-पाठ करने में जुटे हैं। वैज्ञानिकों की एक टीम आज तिरुपति मंदिर पूजा-अराधना के लिए पहुंची। इसरो वैज्ञानिकों की एक टीम चंद्रयान-3 के एक छोटे से मॉडल के साथ पूजा-अर्चना करने के लिए तिरुपति वेंकटचलपति मंदिर पहुंची। आंध्र प्रदेश के तिरूपति वेंकटचलपति मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद इसरो वैज्ञानिकों की टीम ने कहा, यह चंद्रयान-3 है। चंद्रमा पर हमारा मिशन है। कल प्रक्षेपण है। अधिकारियों ने बताया, इसरो चार साल बाद एक बार फिर से चंद्रमा पर चंद्रयान पहुंचाने के अपने तीसरे अभियान के लिए तैयार है। चंद्र मिशन के तहत चंद्रयान-3 को 'फैट बॉय' एलवीएम-एम3 रॉकेट ले जाएगा। 14 जुलाई को श्रीहरिकोटा से होने वाले इस बहुप्रतीक्षित प्रक्षेपण के लिए इसरो जोर-शोर से तैयारियों में जुटा हुआ है। चांद की सतह पर 'सॉफ्ट लैंडिंग' अगस्त के आखिर में निर्धारित है। चंद्रयान-2, 2019 में चांद की सतह पर सुरक्षित तरीके से उतरने में विफल रहा था। इससे इसरो का दल निराश हो गया था। तब भावुक हुए तत्कालीन इसरो प्रमुख के. सिवान को गले लगा कर ढांढस बंधाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीरें आज भी लोगों को याद हैं। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बुधवार को कहा कि चंद्रयान-3 भारत के अंतरराष्ट्रीय सहयोग के स्तर को विशेष रूप से विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार और स्टार्टअप के क्षेत्र में बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि चंद्रयान-3 के जरिये भारत और अमेरिका के बीच भी सहयोग बढ़ना तय है।

अकेले में ही मिलवाते थे... पहलवानों से यौन उत्पीड़न में बृजभूषण की मदद कर रहे थे विनोद तोमरः चार्जशीट

नई दिल्ली। कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के साथ ही सहायक सचिव रहे विनोद तोमर की भी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। दिल्ली पुलिस ने महिला पहलावनों के यौन उत्पीड़न के मामले में जो चार्जशीट दाखिल की है, उसमें दावा किया गया है कि विनोद तोमर ने बृजभूषण शरण सिंह की मदद की थी। चार्जशीट में कहा गया है कि विनोद तोमर जानबूझकर यौन उत्पीड़न में बृजभूषण शरण सिंह की मदद कर रहे थे। उन्हें इस केस में सहआरोपी बनाया गया है। 6 महिला पहलवानों में से 2 की शिकायत में विनोद तोमर भी बृजभूषण शरण सिंह के साथ सहआरोपी हैं। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक चार्जशीट में कहा गया है कि विनोद तोमर महिला पहलवानों की बृजभूषण शरण सिंह से उसी वक्त मुलाकात कराते थे, जब वह अकेले हों। ऐसा तीन बार हुआ, जब तोमर ने उसी वक्त बृजभूषण से पहलवानों की मुलाकात कराई, जब वह अपने ऑफिस में अकेले थे। यही नहीं दो मामले तो ऐसे हैं, जब बृजभूषण सिंह से मिलने जा रहीं पहलवानों के पति

और कोच को विनोद तोमर ने बाहर ही रोक लिया। फिर दोनों पहलवानों की अकेले में ही भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह से मुलाकात कराई। यह वाकये दिल्ली के अशोका रोड स्थित बृजभूषण शरण सिंह के सांसद आवास के हैं। यहीं पर उन्होंने अपना ऑफिस भी बना रखा था।

विनोद तोमर बीते दो दशकों से कुश्ती महासंघ का हिस्सा हैं। उन पर आपराधिक साजिश रचने की धारा 506, महिला से यौन उत्पीड़न की धारा 354 ए और 354 के तहत केस दर्ज किया गया है। इस पूरे मामले में अब तक विनोद तोमर का पक्ष नहीं आ सका है। बृजभूषण शरण सिंह तो लगातार मुखर रहे हैं और अपने खिलाफ लगे आरोपों को गलत बताते रहे हैं, लेकिन विनोद तोमर इस पर चुप्पी ही साधे रहे हैं। विनोद तोमर को बृजभूषण के करीबी लोगों में गिना जाता है। माना जाता है कि उनके चलते ही वह कुश्ती महासंघ का हिस्सा थे।

पति को रोक दिया और मुझे... क्या बोली महिला पहलवान

एक महिला पहलवान ने अपनी शिकायत में विनोद तोमर पर आरोप लगाया है कि उन्होंने बृजभूषण से अकेले ही मिलने जाने को कहा। पहलवान ने कहा, मैं जब दिल्ली में कुश्ती महासंघ के दफ्तर पहुंची तो मेरे पति भी साथ थे। लेकिन विनोद तोमर ने अकेले मुझे ही ऑफिस में जाने दिया। उन्होंने जानबूझकर पति को अंदर जाने से रोका था। उसी दिन बृजभूषण शरण सिंह ने मेरे से छेड़छाड़ की थी। इसके बाद अगले दिन फिर पति को नहीं जाने दिया गया और पहले की तरह ही छेड़छाड़ की गई।

दिल्ली में पहली बार ऐसी बाढ़ दी दिखाई, सड़कें डूबीं और कॉलोनियों में घुसा पानी

नई दिल्ली। दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने से आई सबसे बड़ी बाढ़ ने त्राहिमाम वाले हालात पैदा कर दिए हैं। राजधानी गुरुवार सुबह 7 बजे यमुना का जलस्तर 208.46 मीटर दर्ज किया गया, जो कल दोपहर 1 बजे नदी बाढ़ के उच्चतम रिकॉर्ड 207.49 मीटर को पार कर गया था। बाढ़ का पानी कई निचले इलाकों में घुसने के साथ ही कुछ प्रमुख सड़कों पर भी आ गया है। इसके चलते यातायात बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। स्थिति को संभालने के लिए एनडीआरएफ की 12 टीमें दिल्ली में तैनात की गई हैं। बाढ़ के हालात को देखते हुए दिल्ली से लेकर केंद्र सरकार तक अलर्ट मोड पर आ गई है।

दिल्ली में यमुना ने तोड़ा 45 साल का रिकॉर्ड

जानकारी के अनुसार दिल्ली में बुधवार रात 11 बजे यमुना नदी का जलस्तर रिकॉर्ड 208.08 मीटर पर पहुंच गया था। इससे पहले 45 साल पहले 1978 में नदी का जलस्तर 207.49 मीटर पहुंचने का रिकॉर्ड था। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने यमुना में बढ़ते हुए जलस्तर के मद्देनजर निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से तुरंत जगह खाली करने की अपील की है।

दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने अब खुद सड़क पर उतरकर मोर्चा संभाल लिया है और यमुना के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए गुरुवार को राजधानी में बाढ़ की स्थिति पर चर्चा करने के लिए दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की एक इमरजेंसी बैठक बुलाई है। डीडीएमए के अधिकारियों ने कहा कि बैठक दोपहर 12 बजे एलजी सचिवालय में होगी, बैठक में सीएम अरविंद केजरीवाल भी मौजूद रहेंगे।

दिल्ली सरकार के अनुसार, अपनी निकासी योजना के तहत, निचले इलाकों में रहने वाले कुल 16,564 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है और 14,534 लोग शहर भर में तंबू/आश्रयों में रह रहे हैं।

यमुना की तलहटी में बसे निचले इलाकों में चारों ओर बस पानी ही पानी दिख रहा है। हजारों लोगों को सुरक्षित क्षेत्रों में स्थानांतरित कर दिया गया है क्योंकि नदी के पास के घरों और बाजारों में पानी घुस गया है, जिससे उन्हें भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

अधिकारियों ने कहा कि मजनूं का टीला और वजीराबाद के बीच के हिस्से सहित व्यस्त रिंग रोड के कुछ हिस्सों में जलभराव के कारण यातायात बाधित हो गया है। बाढ़ जैसे हालात के मद्देनजर, दिल्ली पुलिस ने एहतियात के तौर पर राष्ट्रीय राजधानी के बाढ़ के लिहाज से संवेदनशील इलाकों में बुधवार को धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी। इस धारा के तहत चार से अधिक लोगों के एक ही स्थान पर एकत्रित होने पर रोक होती है।

केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के बाढ़-निगरानी पोर्टल के अनुसार, पुराने रेलवे पुल पर जलस्तर बुधवार सुबह चार बजे 2013 के बाद पहली बार 207 मीटर के निशान को पार कर गया। यह शाम चार बजे तक बढ़कर रिकॉर्ड 207.71 मीटर के निशान तक पहुंच गया। रात 11 बजे यह बढ़कर 208.08 मीटर हो गया और गुरुवार सुबह सात बजे तक इसके 208.46 मीटर तक पहुंच गया।

सत्ता के लालच में साख गंवाती भाजपा

रमेश सर्राफ धमोरा

भाजपा आलाकमान ने यदि अपनी नीति नहीं बदली तो आने वाले समय में पार्टी के वफादार लोग पार्टी से दूर होते चले जाएंगे। फिर भाजपा में सिर्फ दलबदलू व मौकापरस्त लोगों का जमावड़ा रह जाएगा। जिनके बल पर भाजपा लंबे समय तक नहीं चल पाएगी। भाजपा के कमजोर होते ही दूसरे दलों से आए सत्यपाल मलिक, यशवंत सिन्हा, कीर्ति आजाद, नाना पटोले, यशपाल आर्य, मुकुल राय, स्वामी प्रसाद मौर्य, अवतार सिंह भडाना, हरीशचंद मीणा, दारासिंह चौहान, धरमसिंह सैनी, बाबुल सुप्रियो, सुदीपराय बर्मन, सुब्रह्मण्यम स्वामी जैसे दलबदलू नेता मौका पाकर भाजपा छोड़कर अपना नया ठिकाना ढूंढने लगेंगे।

कभी चाल, चरित्र, चेहरे की बात करने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अब पूरी तरह से बदल गई है। सत्ता के लालच ने भाजपा का चरित्र ही बदल कर रख दिया है। देश में कम्युनिस्ट पार्टियों के बाद अनुशासन के मामले में सख्त मानी जाने वाली भाजपा का अनुशासन अब तार-तार हो गया है। भाजपा में वफादारी की बात करना अब बेमानी हो गया है। सत्ता के लालच में पार्टी के नेता कब कौन सा कदम उठा ले किसी को पता नहीं है। 2014 के बाद तो भाजपा पूरी तरह बदल गयी है। इस समय की भाजपा सत्ता की इतनी भूखी हो गई है कि सत्ता मिलते देख वह अपने जन्मजात दुश्मनों को भी गले लगाने से परहेज नहीं कर रही है।

जब 1980 में जनता पार्टी से अलग होकर भाजपा का गठन किया गया था। उस समय राजनीतिक रूप से तो भाजपा कमजोर थी मगर चारित्रिक रूप से बहुत मजबूत थी। भाजपा के अनुशासन व संगठन को लेकर सभी राजनीतिक दलों में चचाएं होती थी। अपने वफादार कार्यकताओं के बल पर भाजपा हर समय संघर्ष करने को तैयार रहती थी। पार्टी नेताओं के एक इशारे पर पार्टी कैडर मरने मारने पर उतारू हो जाता था। पार्टी के कार्यकर्ता भूखे रहकर महीनों तक चुनाव में पार्टी के लिए मेहनत करते थे।

मगर अब नजारा पूरी तरह से बदल गया है। आज भाजपा का कार्यकर्ता सुविधा भोगी हो गया है। सबको सत्ता का लालच आ गया है। पार्टी का हर कार्यकर्ता पांच सितारा जिंदगी में जीना चाहता है। भाजपा का छूटभैया नेता भी आज बड़ी-बड़ी लग्जरी गाड़ियों में घूम रहा है। एक समय पाई पाई के लिए मोहताज रहने वाले पार्टी कार्यकताओं के पास अचानक ही लग्जरी लाइफस्टाइल बिताने के लिए इतना धन कहां से आया इस बात से पार्टी के बड़े नेताओं को कोई मतलब नहीं रहता है। सत्ता पाने की होड़ में पार्टी आलाकमान उस बात से भी आंख मूंद लेती है जिससे पार्टी की छवि खराब हो रही है।

पार्टी की स्थापना करने के बाद अटल बिहारी वाजपेई, लालकृष्ण आडवाणी, नानाजी देशमुख, विजय राजे सिंधिया, भैरोंसिंह शेखावत, कुशाभाऊ ठाकरे, सुंदर सिंह भंडारी, कल्याण सिंह, मुरली मनोहर जोशी, शांता कुमार, सुंदरलाल पटवा, श्यामाचरण सकलेचा, मदन लाल खुराना, जगदीश प्रसाद माथुर, विजय कुमार मल्होत्रा, जाना

कृष्णमूर्ति, एम वेंकैया नायडू, सूरजभान जैसे बहुत से नेताओं ने पार्टी को बनाने में अपना सब कुछ खफा दिया था। पार्टी में इन वरिष्ठ नेताओं का जब तक दबदबा रहा तब तक पार्टी सत्ता पाने की दौड़ में शामिल नहीं हुई थी।

अटल, आडवाणी युग में भाजपा ने अपने को जमीनी स्तर पर बहुत मजबूत किया था। जिसका ही नतीजा है कि आज भाजपा देश में शासन कर रही है। एक समय था जब अटल बिहारी बाजपेई ने सिद्धांतों से समझौता नहीं कर के प्रधानमंत्री का पद गंवा दिया था। उस दौर में पार्टी के लिए सत्ता से बड़े सिद्धांत होते थे। मगर अब सब कुछ बदल गया है। आज के समय में सत्ता हासिल करना ही पार्टी का मुख्य उद्देश्य बन गया है।

2014 में जब नरेंद्र मोदी पहली बार प्रधानमंत्री बने और अमित शाह पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने उसके बाद से पार्टी में पुराने नेताओं, पुराने कार्यकताओं को धीरे-धीरे पीछे धकेला जाने लगा। उनके स्थान पर फाइव स्टार कल्चर के नए-नए लोगों को आगे बढ़ाए जाने जाने लगा। भाजपा के बारे में माना जाता था कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का पार्टी पर पूरा नियंत्रण रहता है। संघ की इजाजत के बिना पार्टी में पत्ता भी नहीं हिल सकता है। मगर मौजूदा परिस्थितियों में लगता है कि संघ का पार्टी पर से नियंत्रण समाप्त हो गया है। संघ के पदाधिकारी भी आज मौन रहकर पार्टी के सत्ता लोलुप स्वरूप को देख रहे हैं। पार्टी की नीतियों में हस्तक्षेप करने की संघ में भी हिम्मत नहीं रह गई है। इसीलिए भाजपा के बड़े नेता मन मुताबिक फैसले लेकर काम कर रहे हैं।

आज भाजपा में दूसरे दलों से आए नेताओं का बोलबाला हो रहा है। पार्टी के शासन वाले बहुत से राज्यों में दूसरे दलों से आए नेताओं को मुख्यमंत्री, मंत्री बनाया गया है। ऐसे ही संगठन में दूसरी पार्टी से आए नेता प्रमुख पदों पर बैठे हुए हैं। हाल ही में पंजाब भाजपा के अध्यक्ष बनाए गए सुनील जाखड़ तो कुछ माह पूर्व ही भाजपा में शामिल हुए थे। कांग्रेस पार्टी में तवज्जो नहीं मिलने के चलते सुनील जाखड़ भाजपा में आ गए थे। पूर्व में वह पंजाब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं। इसी तरह असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, मणिपुर के मुख्यमंत्री एन वीरेन सिंह कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होकर राज कर रहे हैं। उन प्रदेशों में जो पार्टी कैडर के कार्यकर्ता थे उनका आज पता ठिकाना भी नहीं है कि वो लोग कहां गुमनामी में खो गए हैं।

भाजपा के मौजूदा नेतृत्व ने जब 2015 में जम्मू कश्मीर में जम्मू कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के मुफ्ती मोहम्मद सईद फिर उनकी बेटी महबूबा मुफ्ती के साथ मिलकर सरकार बना ली थी उसी दिन से भाजपा के सभी सिद्धांत समाप्त हो गए थे। सत्ता के लिए मुफ्ती मोहम्मद सईद व महबूबा मुफ्ती जैसे भारत विरोधी विचारधारा के कट्टरपंथी नेताओं के साथ सरकार बनाना भाजपा द्वारा अपने सभी सिद्धांतों को तिलांजलि देने के समान था।

इसके साथ ही भाजपा जहां चुनाव नहीं जीत सकती वहां जोड़-तोड़ कर सरकार बनाना शुरू कर दिया। अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर इसके पहले शिकार हुए। उसके बाद 2018 में कर्नाटक व मध्य प्रदेश में विधानसभा का चुनाव हार जाने के बाद भाजपा ने वहां दलबदल करवाकर अपनी सरकार बना ली थी। उसी का नतीजा है कि पिछले दिनो संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा को कर्नाटक में करारी हार झेलनी पड़ी थी। इसी तरह महाराष्ट्र में भी भाजपा ने पहले शिवसेना में और अब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में तोड़फोड़ करवा कर अपनी सरकार बनायी है।

हालांकि भाजपा के नेताओं को भी पता लग गया है कि जोड़-तोड़ कर बनाई सरकार को मतदाता स्वीकार नहीं करते हैं। मतदाताओं को जब भी कर्नाटक की तरह मौका मिलता है वह बुरी तरह हरवा देते हैं। इसी साल के अंत में मध्यप्रदेश विधानसभा के चुनाव होने हैं। मौजूदा परिस्थितियों से वहां भाजपा कि स्थिति सही नहीं लग रही है। इसी तरह महाराष्ट्र में भी एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में भाजपा सहित कई दलों की सरकार चल रही है। मगर सरकार में शामिल दलों कि आपसी खींचतान के चलते महाराष्ट्र मंत्रिमंडल में बहुत से पद खाली पड़े हैं।

भाजपा आलाकमान ने यदि अपनी नीति नहीं बदली तो आने वाले समय में पार्टी के वफादार लोग पार्टी से दूर होते चले जाएंगे। फिर भाजपा में सिर्फ दलबदलू व मौकापरस्त लोगों का जमावड़ा रह जाएगा। जिनके बल पर भाजपा लंबे समय तक नहीं चल पाएगी। भाजपा के कमजोर होते ही दूसरे दलों से आए सत्यपाल मलिक, यशवंत सिन्हा, कीर्ति आजाद, नाना पटोले, यशपाल आर्य, मुकुल राय, स्वामी प्रसाद मौर्य, अवतार सिंह भडाना, हरीशचंद मीणा, दारासिंह चौहान, धरमसिंह सैनी, बाबुल सुप्रियो, सुदीपराय बर्मन, सुब्रह्मण्यम स्वामी जैसे दलबदलू नेता मौका पाकर भाजपा छोड़कर अपना नया ठिकाना ढूंढने लगेंगे।

संपादकीय

पानी-पानी राजधानी

जीवनदायिनी यमुना दिल्ली के लोगों को डरा रही है। वजह है यमुना का जल स्तर पिछले 45 साल के रिकॉर्ड को तोड़ रहा है। बुधवार शाम छह बजे यमुना का जल स्तर 207.55 मीटर तक पहुंच गया, जबकि दिल्ली में यमुना के खतरे का निशान 205.33 मीटर ही है। उस पर केंद्रीय जल आयोग की भविष्यवाणी डरा रही है कि बुधवार की रात को यमुना का जलस्तर 207.72 मीटर तक पहुंचने की आशंका है। निस्संदेह, यह दिल्ली वालों के लिये अच्छी खबर नहीं है। अब जब यमुना का पानी रिंग रोड व कश्मीरी गेट स्थित आईएसबीटी के निकट सड़कों तक पर दस्तक देने लगा है, तो दिल्ली सरकार के माथे पर भी चिंता की लकीरें उभर आई हैं। इससे दिल्ली का यातायात भी प्रभावित हो रहा है। यमुना के उफान को देखते हुए केजरीवाल सरकार ने एनडीआरएफ से मदद मांगी है। नदी के किनारों पर स्थित निचले स्थानों पर पहले ही बाढ़ जैसे हालात हैं और विस्थापितों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जा रहा है। तटों की तरफ लोगों की आवाजाही रोकने के लिये धारा 144 लगाई गई है। संकट के बाबत मुख्यमंत्री ने विभिन्न प्रशासनिक व राहत से जुड़े विभागों की आपात बैठक बुलायी है। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने केंद्रीय गृहमंत्री को भेजे पत्र में चिंता जाहिर की है कि हथिनी कुंड बैराज से ज्यादा पानी छोड़े जाने से यह संकट पैदा हुआ है। दिल्ली को बचाने के लिये छोड़े जाने वाले पानी की मात्रा को कम किया जाये। उन्होंने चेताया है कि यदि बाढ़ आती है तो आने वाले दिनों में दिल्ली में होने वाले जी-20 शिखर की मेजबानी के चलते दुनिया में अच्छा संदेश नहीं जायेगा। केंद्रीय गृहमंत्री को लिखे पत्र में केजरीवाल ने कहा है कि अगर तुरंत यमुना में हथिनी कुंड बैराज से छोड़े जा रहे पानी को नहीं रोका गया तो दिल्ली में हालात बिगड़ सकते हैं। निस्संदेह, हालात लोगों की फिक्र बढ़ाने वाले ही हैं। दरअसल, चिंता की बात यह भी है कि फिलहाल दिल्ली में बारिश नहीं हो रही है, लेकिन मौसम विभाग ने पंद्रह व सोलह जुलाई के लिये बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। जाहिर है कि यदि बारिश होती है तो समस्या जटिल हो सकती है। दिल्ली में पानी निकासी की समस्या खड़ी हो सकती है। दरअसल, वर्ष 1978 में जब यमुना का जल स्तर 207.49 हुआ तो दिल्ली को भारी बाढ़ का सामना करना पड़ा था। बताया जाता है कि तब बाढ़ से करीब 43 वर्ग किलोमीटर की कृषि भूमि जलमग्न हो गई थी। लाखों लोग बेघर हो गये थे। लेकिन तब यमुना के किनारे पुस्ते नहीं बनाये गये थे। इस बार के जल स्तर के अधिक होने से लोगों की चिंता बढ़ गई है। बताते हैं कि केंद्र सरकार ने हथिनी कुंड बैराज का पानी रोकने में असमर्थता जाहिर की है। हालांकि हिमाचल आदि से पानी कम आ रहा है, लेकिन फिर भी पानी का जलस्तर बढ़ने की आशंका है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2010 में यमुना का जल स्तर 207.11 व वर्ष 2013 में जल स्तर 207.32 मीटर होने पर भी दिल्ली को बाढ़ का सामना करना पड़ा था। यमुना का पानी नोएडा-दिल्ली लिंक रोड पहुंचने से चिंता बढ़ गई है, जिसके मद्देनजर मुख्यमंत्री केजरीवाल ने दिल्ली सचिवालय में सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक बुलाई है। फिक्र की बात यह है कि उत्तराखंड व हिमाचल की नदियों का जल स्तर लगातार बढ़ रहा है, जिसके चलते दिल्ली सरकार ने निचले इलाके के लोगों से तुरंत घर खाली करके सुरक्षित स्थानों पर चले जाने को कहा गया है।

चिंतन-मनन

दूसरों के दुख से अपना दुख ज्यादा बेहतर

एक कहावत है राजा दुखी, प्रजा दुखी सुखिया का दुख दुना। कहने का अर्थ यह है कि संसार में जिसे देखो वह अपने को दुखी ही कहेगा। राजा का अपना दुख है, प्रजा का अपना और जिसे आप सुखी माने बैठें हैं उससे पूछ कर देखेंगे तो वह भी अपने दुखों की पोटरी खोलकर अपनी व्यथा गाने लगेगा। लेकिन अगर आपके पास यह विकल्प हो कि आप अपना दुख किसी और को देकर दूसरे का दुख खुद स्वीकार कर लें तब आप कहेंगे कि अपना ही दुख भला है। इस संदर्भ में एक कथा है कि किसी गांव में एक फकीर आये। उनकी विशेषता यह थी कि वे किसी की भी समस्या दूर कर देते थे। उनकी इस विशेषता के बारे जिसे भी पता चला, वह उनके पास दौड़ा आया। अच्छी खासी भीड़ जमा हो गई और लोग जल्दी से जल्दी अपनी समस्या फकीर को बताने की जुगत भिड़ाने लगे। नतीजा यह हुआ कि हर कोई बोलने लगा। कोलाहल मच गया। फकीर ने सभी को चुप होने के लिए कहा। सभी लोग चुप हो गये तब फकीर ने कहा, मैं सबकी समस्या दूर कर दूंगा। आप सब लोग एक-एक कागज पर अपनी समस्या लिखकर लाएं और मुझे दे दें। कुछ ही देर में कागजों का ढेर लग गया। फकीर ने कागजों को एक टोकरी में रखा और उसे सबके बीच में रख दिया। एक आदमी की तरफ इशारा करके फकीर मे कहा, यहां से शुरू करके सब बारी-बारी से आएंगे और एक-एक कागज उठा लें। ध्यान रहे किसी को अपना कागज नहीं उठाना है। लोग एक-एक कर आए कागज उठा-उठा कर अपनी-अपनी जगह बैठ गए। फकीर ने कहा, अब इस कागज में लिखी किसी दूसरे की समस्या पढ़ो। अगर चाहो तो मैं तुम्हारी समस्या दूर कर दूंगा पर उसके बदले कागज पर लिखी समस्या तुम्हारी हो जाएगी। तुम्हें लगता है कि तुम्हारी समस्या बड़ी है तो उसे दूर करवाकर कागज पर लिखी दूसरे की छोटी-सी समस्या अपना लो। चाहो तो आपस में कागज बदल लो। जब तय कर लो कि अपनी समस्या के बदले कौन सी समस्या लोगे तो मेरे पास आ जाना। लोगों ने जब अपने पास कागज पर लिखी समस्या पढी तो वे घबरा गए। लोग एक दूसरे से कागज बदल-बदल कर पढ़ रहे थे। हर बार उन्हें लगता कि उनकी समस्या तो जैसी है वैसी है, पर इस नई समस्या का सामना नहीं कर पाएंगे। कुछ देर में हर किसी को समझ आ गया कि उनकी समस्या जैसी भी है उनके अपने जीवन का हिस्सा है और वे उसी का सामना कर सकते हैं। एक-एक कर के लोग चुपचाप वहाँ से चले गये।

पश्चिम बंगाल के पंचायत चुनाव भाजपा के लिए खतरे की घंटी हैं

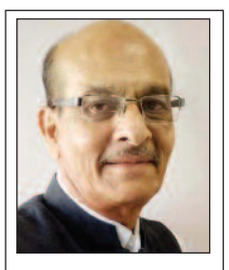

सनत जैन

पश्चिम बंगाल के पंचायत चुनाव में बड़े पैमाने पर हिंसा हुई है। केंद्रीय सुरक्षा बल और राज्य की पुलिस ने पंचायत चुनाव को संपन्न कराने और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए काफी प्रयास किए। इसके बाद भी हिंसा थमी नहीं, हिंसा के बीच पश्चिम बंगाल में पंचायत के चुनाव हुए। पंचायत चुनाव सबसे कठिन चुनाव माने जाते हैं। पंचायत चुनाव में मतदाता अपने उम्मीदवारों के निजी व्यवहार और उसकी नेतृत्व शीलता को देखते हुए मतदान करते हैं। सभी चुनावों में पंचायत और नगरीय निकायों के चुनाव सबसे कठिन चुनाव माने जाते हैं। इसमें किसी भी तरह का कोई प्रबंधन काम नहीं आता है। पश्चिम बंगाल में यह चुनाव राजनीतिक दलों के चुनाव चिन्ह पर लड़ा गया था। जिसके कारण राजनीतिक विचारधारा के आधार परपंचायत प्रतिनिधियों के लिए मतदान हुआ है। पंचायत चुनाव में भाजपा के शुभेंदु अधिकारी, पश्चिम बंगाल के राज्यपाल, चुनाव में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती, हाईकोर्ट द्वारा समय-समय पर दिये गए निर्देश और हस्तक्षेप के बाद भी पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में हिंसा हुई। चुनाव के दौरान और चुनाव की घोषणा के बाद 59 लोगों की मौत इस पंचायत चुनाव में हुई है। जो चुनाव परिणाम अभी तक सामने आए हैं। उसमें टीएमसी एकतरफा जीत की ओर आगे बढ़ रही है। अभी तक 22 जिला परिषदों पर टीएमसी का कब्जा होते हुए दिख रहा है। टीएमसी ने 608 जिला परिषद सीटें जीती हैं। वहीं भाजपा को 19, कांग्रेस को 6,माकापा को 2 सीट मिली है। ग्राम पंचायत की 63229 सीटों में से 34560 सीटों पर तृणमूल कांग्रेस विजयी हुई है। भारतीय जनता पार्टी को 9621 माकापा को 2908 और कांग्रेस को 2515 सीटों पर सफलता प्राप्त हुई है। इस जीत से उत्साहित मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा जब मणिपुर जल रहा था। भाजपा को वहां की चिंता नहीं थी। निष्पक्ष विशेषज्ञों का मानना है, पंचायत चुनाव के दौरान केंद्रीय सुरक्षाबलों, राज्यपाल की भूमिका और भाजपा नेताओं की सक्रियता कांग्रेस और माकापा के लगातार विरोध के बाद भी इतने बड़े पैमाने पर टीएमसी की जीत, आने वाले समय में बदलती हुई राजनीति की दिशा और दशा तय कर रही है। केंद्र सरकार, पश्चिम बंगाल के राज्यपाल और भारतीय जनता पार्टी कीआक्रमक सक्रियता, केंद्रीय सुरक्षा बलों की मौजूदगी में चुनाव हुए हैं। उसके बाद भी पंचायत चुनाव में पश्चिम बंगाल में जनता खुद अपना चुनाव लड़ने के लिए मैदान में उत्तरी। टीएमसी बनाम भाजपा में टीएमसी को अप्रत्याशित सफलता प्राप्त हुई है। टीएमसी का विरोध भाजपा के साथ-साथ कांग्रेस और माकापा भी कर रही थी। टीएमसी पंचायत चुनाव में बिल्कुल अलग-थलग पड़ी हुई थी। इसके बाद भी इतनी बड़ी जीत से स्पष्ट है,कि जनता जब सड़कों पर उतरकर स्वयं चुनाव लड़ती है। उस समय धनबल और कोई अन्य उपाय काम नहीं आता है। पंचायत चुनाव के परिणाम एक तरह से केंद्र सरकार और भाजपा के लिए खतरे की घंटी की तरह हैं। हिमाचल,कर्नाटक के विधानसभा के चुनाव परिणाम लगभग इसी तर्ज पर सामने आए हैं। अच्छे दिन के जो वादे जनता से किए गए थे। 9 वर्षों के बाद भी अच्छे दिन की बात छोड़ दें,तो जीवन जीना भी लोगों के लिए मुश्किल हो रहा है। यह गुस्सा अब मतदाताओं में दिखने लगा है। पंचायत चुनाव से ज्यादा कोई सफल परीक्षण हो नहीं सकता है। पश्चिम बंगाल के पंचायत चुनावों ने यह बता दिया है देश की राजनीतिक फिजा किस और बह रही है। अब जनता खुद सड़कों पर उतरने के लिए विवश हो रही है। हिंसा भी उसी प्रतिरोध का परिणाम है।

इंटरनेट प्रतिबंध : कम करना होगा नुकसान

प्रभात सिन्हा

आजकल आये दिन शासन-प्रशासन द्वारा देश के विभिन्न हिस्सों में इंटरनेट पर प्रतिबंध लगाने के समाचार मिलते रहते हैं। इंटरनेट पर प्रतिबंध के प्रमुख कारणों में हिंसा, दंगे, धरना, प्रदर्शन, परीक्षा का विरोध इत्यादि प्रमुख कारण हैं।

वास्तव में इंटरनेट से संचालित सोशल मीडिया चैनलों के व्यापक प्रसार के कारण कोई भी सूचना मिनटों में पूरे देश और दुनिया में प्रसारित हो जाती है। असामाजिक तत्व ऐसे मौकों का फायदा उठाकर गलत सूचना का प्रसार करते हैं, जिससे देश के किसी एक कोने में हुआ छोटा विद्वेष मिनटों में पूरे देश में फैल जाता है। फिर फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब जैसे अनेकों सोशल मीडिया माध्यमों से खबर फैलते देर नहीं लगती।

वर्तमान में देश के पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में अनुसूचित जनजाति में शामिल करने की मांग को लेकर घाटी बहुल मैइति और पहाड़ी बहुल कुकी जनजाति के बीच हिंसा भड़कने के बाद सरकार ने 3 मई को मणिपुर में इंटरनेट पर प्रतिबंध लगा दिया जो अनवरत है। मणिपुर उच्च न्यायालय के प्रतिबंध हटाने के निर्देश के बाद मामला उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है। मणिपुर में इंटरनेट पर प्रतिबंध पहली घटना नहीं है, बल्कि देश में आये दिन ऐसी घटनाएं होती रहती हैं जहां इंटरनेट पर प्रतिबंध लगाना पड़ता है।

इंटरनेट बैन से तत्काल हिंसा और अन्य अप्रिय घटनाओं से राहत तो मिल जाती है, लेकिन उसका बुरा प्रभाव सार्वजनिक सेवाओं और व्यवसाय पर पड़ता है। 2022 में प्रशासन की ओर से देश में 84 बार इंटरनेट सेवा को निरस्त करना पड़ा था। भारत में 2012 के बाद से कुल 500 से ज्यादा इंटरनेट बैन में से लगभग आधे अकेले जम्मू-कश्मीर में लगे हैं। अब तक का सबसे लंबा 213 दिनों का इंटरनेट प्रतिबंध भी जम्मू-कश्मीर में 5 अगस्त, 2019 से मार्च, 2020 तक लगा था। 2022 में राजस्थान के कई इलाकों में 16 बार और पश्चिम बंगाल के विभिन्न इलाकों में 7 बार इंटरनेट पर बैन लगाना पड़ा था।

इंटरनेट पर प्रतिबंध लगाने संबंधी नियम 2017 में भारत सरकार के दूरसंचार विभाग द्वारा बनाया गया था, जिसे दूरसंचार सेवाओं के अस्थायी निलंबन (सार्वजनिक आपातकाल या सार्वजनिक सरक्षा) नियम के तौर पर जाना जाता है। इस के तहत इंटरनेट पर प्रतिबंध लगाने का अधिकार केंद्रीय और राज्य स्तर पर भारत सरकार के गृह मंत्रालय के पास होता है, जिसके तहत ह्यसार्वजनिक आपातकालह्न की स्थिति में इंटरनेट सेवाओं का अस्थायी निलंबन किया जा सकता है। इंटरनेट फ्रीडम फाउंडेशन के आंकड़ों के अनुसार 2019 में इंटरनेट शटडाउन के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था को लगभग 1.3 अरब डॉलर का नुकसान हुआ था। अंतरराष्ट्रीय आंकड़ों के अनुसार 2021 में पूरी दुनिया में 30,000 घंटों से ज्यादा इंटरनेट सेवाओं को रोका गया था, जिसके कारण 5.45 अरब डॉलर का नुकसान हुआ था। भारत में 2021 में 1,150 घंटे से ज्यादा इंटरनेट अवरोधित रहा था, साथ ही हमारा देश इंटरनेट प्रतिबंध से हुए आय के नुकसान में तीसरे नंबर पर था। इंटरनेट बैन के व्यवसाय पर असर का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 2020 में दिल्ली में 24 घंटे के इंटरनेट शटडाउन में ई-कॉमर्स कंपनियों को 8 करोड़ से अधिक के राजस्व का नुकसान हुआ था।

आजकल दूरसंचार कंपनियां हों या बहुराष्ट्रीय कंपनियां, हर जगह फोन कॉल और एसएमएस का स्थान अब इंटरनेट आधारित कॉल और मैसेज ने ले लिया है। कोविड महामारी के बाद तो इ-कॉमर्स, इंटरनेट आधारित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सॉफ्टवेयर और एप इत्यादि का उपयोग बहुत तेजी से बढ़ गया। इंटरनेट पर प्रतिबंध से आम लोगों को काफी परेशानी होती है। जैसे 2019 में कश्मीर में इंटरनेट शटडाउन के कारण हजारों छात्र ऑनलाइन परीक्षा देने से वंचित रह गए। वैसे ही 2021 में असम में इंटरनेट शटडाउन के कारण आम जनता को कोविड महामारी के दौरान स्वास्थ्य संबंधी जानकारी मिलने में तमाम परेशानियां हुई। इंटरनेट शटडाउन के नुकसान का संज्ञान लेते हुए संचार और आईटी मामलों के संसदीय पैनल ने हाल में अपने सुझाव पेश किए हैं जिनके तहत ट्राई को इंटरनेट कॉल और चुनिंदा मैसेजिंग एप पर प्रतिबंध लगाने का सुझाव दिया गया है, ताकि किसी भी क्षेत्र में इंटरनेट बैन के दुष्प्रभावों को कम किया जा सके। मूलतः इंटरनेट बैन का मुख्य उद्देश्य भ्रामक और नफरत फैलाने वाले संदेशों को फैलने से रोकना होता है, जिसे चुनिंदा साइट और एप पर प्रतिबंध लगाकर हासिल किया जा सकता है। ट्राई ने भी इस तथ्य को स्वीकार किया है कि इंटरनेट और दूरसंचार सेवाएं पूर्णतया बंद करने पर अर्थव्यवस्था को गहरा नुकसान होता है। नफरत फैलाने वाली वेबसाइट्स और एप की पहचान कर उनको स्थायी रूप से बैन करने का काम तेजी से चल रहा है। चिह्नित स्रेतों पर बैन लगाने से आर्तकियों और अखंडता विरोधी तत्वों के कुत्सित कृत्यों को रोकना संभव होगा। इससे आम सेवाएं और व्यवसाय भी अबाधित चलते रहेंगे, उनको कोई नुकसान नहीं होगा।

नौकरियों में भेदभाव करना सबसे बड़ा पाप : सीएम योगी

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग एवं उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत चयनित नव नियुक्त अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किया
- आज उत्तर प्रदेश की नियुक्ति प्रक्रिया पर कोई उंगली नहीं उठा सकताः सीएम योगी

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अपने नागरिकों के साथ शासन की योजनाओं को नौकरियों में भेदभाव करना सबसे बड़ा पाप है, जो सरकारें प्रदेश की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने से रोकतीं थी जनता ने उन्हें सबक सिखा दिया है। हमारी सरकार ने यह व्यवस्था बनाई है कि चयन की प्रक्रिया से लेकर नियुक्ति प्रक्रिया तक किसी भी अभ्यर्थी के साथ भेदभाव न होने पाए। विगत छह वर्ष में छह लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने में हम सफल रहे हैं। आज उत्तर प्रदेश की नियुक्ति प्रक्रिया पर कोई उंगली नहीं उठा सकता है। उन्होंने कहा कि चुनौती से जो घबरा जाता है वह कुछ नहीं प्राप्त कर पाता। अगर चुनौती आपके सामने है तो इसका मतलब है कि आपके लिए कुछ नए अवसर आने वाले हैं। सीएम योगी ने गुरुवार को लोकभवन में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग एवं उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत चयनित नव नियुक्त अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि 2021 से 2023 के बीच में डेढ़ वर्ष के अंदर हमारी सरकार 21 नियुक्ति पत्र कार्यक्रम संपन्न करा चुकी है। इसके तहत लगभग 55,000 युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया है। सीएम योगी ने नव नियुक्त अधिकारियों को वर्तमान सरकार की कार्यशैली के बारे में बताते हुए कहा कि प्रदेश भर से जुड़ी हुई समस्याएं किसी ना किसी रूप में आपके पास आएंगी। हमारा प्रयास होना चाहिए एक फाइल एक टेबल पर 3 से अधिक दिन न रहे। सीएम योगी ने कहा कि 2017 के पहले उत्तर प्रदेश में बेरोजगारी दर 19 फीसदी से ज्यादा थी। विगत छह वर्ष में हमारी सरकार प्रदेश में बेरोजगारी दर को कम करने में सफल रही है। दो करोड़ से अधिक युवाओं को हम लोगों ने स्वरोजगार के साथ जोड़ने का काम भी किया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार शिक्षा आयोग बनाने जा रहे हैं। इसके तहत उच्चतर शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा और बेसिक शिक्षा चयन आयोग की प्रक्रिया को जोड़ देंगे। सीएम योगी ने कहा कि संविधान प्रदत्त आरक्षण की सुविधा की लाभ हर तबके को उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की अर्थव्यवस्था को पांच ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने का संकल्प लिया है। इसमें उत्तर प्रदेश की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। अगर प्रदेश का हर व्यक्ति अपने-अपने क्षेत्र में इमानदारी से कार्य करते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करे तो उत्तर प्रदेश को आने वाले समय में देश की अग्रणी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करने में सफल रहेंगे। पश्चिम बंगाल के पंचायत चुनाव में मतदान और मतगणना वाले दिन हिंसा हुई, निर्दोष लोग मारे गए। लोकतंत्र का ढिंढोरा पीटने वाले लोग लोकतंत्र को सर्वाधिक नुकसान पहुंचा रहे हैं। वहीं उत्तर प्रदेश के अंदर आपने देखा होगा पंचायत, नगर निकाय, विधानसभा या किसी भी तरह का चुनाव हो, कोई हिंसा नहीं हुई। अभी 3 महीने पहले प्रदेश के अंदर चुनाव संपन्न हुए, कहीं कोई हिंसा नहीं हुई, कोई बूथ कैपचरिंग नहीं हुई और कहीं भी किसी भी प्रकार की कोई धांधली भी नहीं हुई। यह वही प्रदेश है, जहां 2017 के पहले शांतिपूर्ण चुनाव कराना एक सपना हुआ करता था, लेकिन आज यह संभव हुआ है नेक नियति से जब कोई कदम उठाए जाते हैं तो उसके परिणाम भी सामने आते हैं। सचिवालय प्रशासन विभाग में समीक्षा अधिकारी के पद पर चयनित हुए बस्ती के हनुमंत प्रसाद सिंह ने कहा कि पिछली सरकारों में भी परीक्षा देता था, लेकिन किन्हीं कारणवश साक्षात्कार के दौरान बाहर कर दिया जाता था। इससे निराश होकर मैं परीक्षा की तैयारी छोड़कर कृषि कार्य करने लगा। वहीं जब प्रदेश में व्यवस्था बदली और मुख्यमंत्री योगी जी ने सत्ता संभाली तो एक बार फिर मन में विश्वास जागा। निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके संपन्न हुई परीक्षा का नतीजा है कि मेरा चयन हो गया है। परिवहन विभाग में कनिष्ठ सहायक के पद पर चयनित हुई अयोध्या की अपर्णा मौर्या ने कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा अपनाई गई पारदर्शी और निष्पक्ष प्रक्रिया की नतीजा है कि मेरा चयन हो पाया। सचिवालय प्रशासन विभाग में सहायक समीक्षा अधिकारी लेखा के पद पर चयनित हुई दीप्ती यादव ने मुख्यमंत्री योगी द्वारा सरकारी नौकरियों में अपनाई गई पारदर्शी और सुचितापूर्ण नितियों को लेकर धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह और मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

लापता पत्नी दो साल बाद मिली, गोद में था एक साल का मासूम बच्चा, सामने आई हैरान कर देने वाली हकीकत

मैनपुरी। जिले में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां के मोहल्ला बागवान के रहने वाला युवक दो साल तक पत्नी की तलाश करता रहा। दो साल बाद जब पत्नी मिली तो वह किसी और की हो चुकी थी। एक बच्चे की मां बन चुकी थी। पीड़ित लाचार होकर घर वापस आ गया। पीड़ित पति ने एसपी से मामले में शिकायत की है। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला बागवान निवासी दयानंद एक मिठाई की दुकान पर काम करता है। करीब दो साल पहले तक वो पत्नी निशा और इकलौते बेटे रितिक के साथ बेहद खुश था। लेकिन अचानक आठ मार्च 2021 को पत्नी बच्चे को लेकर कहीं चली गई। दयानंद ने पत्नी की काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कहीं कोई पता नहीं लग सका। आखिरकार परेशान होकर नौ मार्च 2021 को कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस की जांच प्रक्रिया अपनी रफ्तार से चल रही थी। वहीं, दूसरी ओर दयानंद पत्नी और बच्चे की तलाश में इधर से उधर भटक रहा था। कुछ समय पहले उसे पता चला कि पत्नी निशा बिछवां थाना क्षेत्र के गांव मुगरौरा में है। उसका इकलौता बेटा भी उसके साथ है। ये जानकारी मिलने के बाद वो बेहद खुश हो गया और तत्काल ही पत्नी को वापस लेने के लिए मुगरौरा पहुंच गया, लेकिन वहां जो हुआ उसने कभी सोचा भी नहीं था। जब वह गांव मुगरौरा पहुंचा तो पता चला कि पत्नी ने गांव निवासी एक व्यक्ति से शादी कर ली है। वह उसके एक बच्चे की मां भी बन चुकी है। यह पता लगते ही दयानंद की खुशियां कुछ ही पल में दम तोड़ गईं। वह घर वापस लौट आया और अब एसपी से अपने इकलौते बच्चे को वापस दिलाने की गुहार लगाई है। एसपी को दिए गए प्रार्थना पत्र में दयानंद ने बताया कि जब उसे पत्नी के बारे में जानकारी मिली। वह उस से मिलने के लिए गया। इस दौरान उसे फोन से धमकियां मिलने लगीं। कहा गया कि तेरी पत्नी वापस नहीं करेंगे। कहीं शिकायत की तो जान से मार दूंगा। एसपी से आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई किए जाने की भी मांग की है।

निशुल्क चिकित्सा शिविर में 150 मरीजों को देखा

संवाददाता

धामपुर। दमयंती देवी प्रेरणा संस्थान धामपुर द्वारा निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के सहयोग से चिकित्सा शिविर लगाया गया। निशुल्क चिकित्सा शिविर का शुभारंभ पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष राजू गुप्ता, दिनेश चंद्र नवीन, वार्ड नंबर 20के सभासद सुमित माहेश्वरी द्वारा संयुक्त रूप से फीता काट कर किया गया। चिकित्सा शिविर में धामपुर नगर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ, आदित्य अग्रवाल सर्जन, डा, अनिल दास फिजिशियन ने लगभग 150 मरीजों को निशुल्क परामर्श दिया। तथा मरीजों को तीन दिन की दवाईयां निशुल्क उपलब्ध कराई गई। चिकित्सा शिविर में धामपुर नगर को पॉलिथीन मुक्त करने एवं प्लास्टिक से बनी चीजों को ना इस्तेमाल करने के बारे में बताया गया और कपड़े के सिले हुए थैले वितरण किए गए । शिविर को सफल बनाने में अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन धामपुर नगर अध्यक्ष युवा अंकुर अग्रवाल, प्रदेश मंत्री मुदित गुप्ता एडवोकेट ,राहुल गुप्ता, अभिषेक मोदी, अखिलेश शर्मा, राजीव कुमार,साहिल, पंकज कुमार, संकेत अग्रवाल,नंदलाल जी, सतीश वर्मा, पंकज अग्रवाल ,अनुज प्रजापति, सुनील कुमार, गौरव कुमार,आदि का योगदान सराहनीय रहा।

घर में घुसकर दंपती को चाकू से गोदा

कानपुर । गांधीग्राम में गुरुवार को एक युवक ने घर में घुसकर दंपती पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। चीख-पुकार सुनकर मोहल्ले के लोग आए गए। उन्होंने आरोपी को दबोच लिया। पिटाई करने के बाद चकेरी पुलिस के हवाले कर दिया। दंपती की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। चकेरी थाना प्रभारी अशोक दुबे ने बताया, "गांधीग्राम में लक्ष्मीनारायण गुप्ता अपने परिवार के साथ रहते हैं। गुरुवार दोपहर को इलाके में रहने वाला युवक हेमंत गौतम ने दरवाजा खटखटाया। लक्ष्मीनारायण के दरवाजा खोलते ही हेमंत ने चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। उन्होंने कहा कि पत्नी मंजू गुप्ता बचाने दौड़ी तो उसके सिर और शरीर पर चाकू मार दिया। जिससे वह अचेत होकर जमीन पर गिर पड़ी। मकान मालिक जितेंद्र दीक्षित और दूसरा किराएदार रामू बचाने के दोड़कर आए। आरोपी ने इन पर भी हमला कर दिया। चाकू लगने से रामू भी घायल हो गया। मोहल्ले के लोगों ने आरोपी हेमंत गौतम को दौड़ाकर दबोच लिया। पिटाई करने के बाद पुलिस के हवाले कर दिया। चकेरी पुलिस ने घायल दंपती के साथ ही आरोपी को भी कांशीराम अस्पताल में भर्ती कराया है। क्योंकि भीड़ की पिटाई से उसकी भी हालत बिगड़ गई। पति-पत्नी और आरोपी को प्राथमिक उपचार के बाद हैलट रेफर कर दिया गया है। हालत में सुधार होते ही दोनों पक्षों से वारदात की वजह जानने के लिए पूछताछ की जाएगी। हैलट के डॉक्टरों ने बताया कि दंपती के सिर और छाती में चाकू के गहरे जख्म हैं। ओवर ब्लीडिंग होने के चलते उनकी हालत गंभीर है। वहीं, आरोपी की भी पिटाई होने से गंभीर चोटें आई हैं। तीनों का ख्रुव में इलाज चल रहा है।

5 गज जगह के लिए महिला की हत्या

छत के रास्ते घर में घुसे आरोपी, सिर को नल के हत्थे से कुंचा, दो चाकू बरामद

पीलीभीत । 5 गज जगह को लेकर एक महिला की घर में घुसकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। परिवार के लोगों ने घर के सामने रहने वाले कुछ युवकों पर हत्या करने का आरोप लगाया है। घटना के बाद गुस्साए महिला के परिजनों ने आरोपियों के घर पर पत्थर से हमला बोल दिया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने बमुश्किल परिजनों को समझा-बुझाकर शांत कराया। जानकारी के मुताबिक शहर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले देश नगर मोहल्ले की रहने वाली जमुना देवी (45) अपने पति से अलग होने के बाद पिता प्रेमराज के घर में पिता के साथ रहती थी। आरोप है कि घर के सामने रहने वाले अजय व सुनील पक्ष के लोगों से 5 गज जगह को लेकर विवाद चल रहा था। जिसको लेकर अक्सर झगड़ा होता रहता था। बीती रात भी सुनील और अजय के साथ महिला का झगड़ा हुआ था। मृतिका के पिता प्रेम राज ने बताया, "सुबह करीब 5:00 बजे सो कर उठे तो जमुना देवी उनके पास मौजूद नहीं थी, जिसके बाद घर के गेट को देखा तो ताला पड़ा था। जब चाबी लेकर ताला खोलने के लिए आगे बढ़ा तो बेटी का खून से लथपथ शव गेट के पास ही पड़ा था। नल का हत्था गायब था। पास में दो चाकू भी मिले हैं। इसी से हत्या की गई है। पिता प्रेम राज का दावा है कि घटनास्थल से दो युवकों को उन्होंने भागते हुए देखा। दोनों युवक उनके पड़ोसी है। इसके बाद पिता ने आस-पड़ोस के लोगों को पूरे मामले की सूचना दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद शहर कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी। जांच के दौरान पुलिस को महिला के शव के पास से सब्जी काटने के दो चाकू व छत पर नल का हैंडल पड़ा मिला है। आशंका जताई जा रही है कि महिला की हत्या नल के हैंडल और चाकू से की गई। हत्या करने के आरोप में घिरे आरोपी घर में ताला डालकर फरार बताए जा रहे हैं। घटना के बाद पुलिस के सामने ही महिला के परिजनों ने पूरे मामले से नाराज होकर आरोपियों के घर पर हमला बोल दिया। फिलहाल मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने महिलाओं को समझा-बुझाकर शांत कराया। घटना की जानकारी लगने के बाद एडिशनल एसपी अनिल कुमार यादव भी मौका मुआयना करने पहुंचे हैं। एडिशनल अनिल कुमार यादव ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि महिला की हत्या का मामला सामने आया है। पूरे मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही घटना का खुलासा होगा।

किसान की हत्या का खुलासा: अपने विरोधियों को फंसाने के लिए आरोपी ने किसान को मार दी गोली

संभल । पुरानी रंजिश में विपक्षियों को फंसाने के इरादे से खेत की रखवाली कर रहे किसान की गोली मारकर हत्या करने का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करते हुए तमंचा बरामद किया है। पुलिस ने कानूनी कार्रवाई करने के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया है, जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया। खेत की रखवाली कर रहे किसान कप्तान सिंह की हत्या का खुलासा पुलिस ने 36 घंटे में किया है। घटना गांव लावर की है। थाना पुलिस ने गांव के ही नरेश पाल सिंह पुत्र किशनलाल को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त की निशानदेही पर पुलिस ने 315 बोर का तमंचा और एक खोखा कारतूस बरामद किया है। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के बाद उसको न्यायालय में पेश किया है, जहां सुनवाई करने के बाद न्यायालय ने अभियुक्त को जेल भेज दिया। आपको बता दें कि मृतक कप्तान सिंह बीती 10 जुलाई को अपने खेत की रखवाली कर रहा था, जहां बदमाश ने उसे गोली मारी थी, जिसमें किसान की मौत हो गई। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। घटना का पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। गिरफ्तार अभियुक्त ने पुलिस पूछताछ में बताया कि मेरी रंजिश मेरे गांव के रघुराज और मानक चंद पुत्रगण गिरवर सिंह से चल रही थी। मृतक कप्तान सिंह कभी-कभी रघुराज से भी बातचीत करता था। मैंने सोचा कि यदि कप्तान सिंह की हत्या कर दी जाए तो रघुराज और मानक चंद इस मामले में जेल चले जाएंगे। रघुराज को फंसाने के लिए नाजायज तमंचे से कप्तान सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी थी। मृतक के पुत्र सत्यवीर को हर तरह से समझाया कि रघुराज और मानक चंद के नाम एफआईआर कर दे लेकिन सत्यवीर नहीं माना।थाना जुनावई प्रभारी रामवीर सिंह ने बताया कि हत्यारोपी नरेशपाल सिंह को गिरफ्तार किया गया है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के जनप्रतिनिधियों के साथ वेबिनार के माध्यम से संवाद कर

वृहद पौधरोपण-2023 की तैयारियों की जानकारी ली, सभी को सहभागिता के लिए प्रोत्साहित किया

- मुख्यमंत्री को जनप्रतिनिधियों ने अपने क्षेत्र में वृहद पौधरोपण की कार्ययोजना व तैयारियों के बारे में अवगत कराया, उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया
- वृहद पौधरोपण अभियान-2023 में 35 करोड़ पौधे लगाए जाने का लक्ष्य, आगामी 22 जुलाई को 30 करोड़ पौधे तथा स्वतंत्रता दिवस पर 05 करोड़ पौधे रोपित करने का लक्ष्य

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर प्रदेश के सभी ग्राम प्रधानों, क्षेत्र पंचायत अध्यक्षों व सदस्यों, जिला पंचायत अध्यक्षों व सदस्यों, नगर पंचायत अध्यक्षों व सदस्यों, नगर पालिका परिषद के अध्यक्षों व सदस्यों, नगर निगम के महापौर व पार्षदगण और विधायकों व सांसदों के साथ वेबिनार के माध्यम से संवाद कर वृहद पौधरोपण-2023 की तैयारियों की जानकारी ली और सभी को सहभागिता के लिए प्रोत्साहित किया। इस संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जी को जनप्रतिनिधियों ने अपने क्षेत्र में वृहद पौधरोपण की कार्ययोजना व तैयारियों के बारे में अवगत कराया और उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारतीय मनीषा ने प्राचीन काल से ही इस बात को माना है कि ह्यधरती हमारी माता है, हम सब इसके पुत्र हैंह्न। इसके पीछे यह भाव है कि हम धरती की रक्षा करेंगे तो धरती माता भी हमारी रक्षा के लिए उसी तत्परता के साथ हमें तैयार करेंगी और स्वयं भी तैयार रहेंगी। हमारी परम्परा वृक्षों में देवदर्शन की है। यह प्रकृति प्रेम का ही प्रतीक है। प्रदेश सरकार ने पर्यावरण संरक्षण के कार्यों को शीर्ष प्राथमिकता में लेते हुए विगत छः वर्षों में 135 करोड़ से अधिक पौधे रोपने का कार्य किया है। यह वृहद पौधरोपण का कार्य जनसहयोग से ही सम्भव हो सका है। यह संतोष की बात है कि, इनमें से 80 प्रतिशत पौधे वर्तमान में जीवित हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हाल के दशकों में हमनें पर्यावरणीय अवनयन के कारण प्राकृतिक आपदाओं में वृद्धि को देखा है। आज अतिवृष्टि, अनावृष्टि और तेज गर्मी जलवायु परिवर्तन के संकेत देती है। विगत वर्ष अक्टूबर माह में हम सभी ने असमय बाढ़ की स्थिति देखी थी, जो चिंताजनक थी। इस वर्ष हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड की बाढ़ विभीषिका भी हम सभी के सामने है। किन्तु अब भी सुधार की गुंजाइश है। प्रकृति हमें सुधार का अवसर देती है। यह पौधरोपण कार्यक्रम एक ऐसा ही अवसर है। हम सभी को इसका लाभ उठाना चाहिए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि व्यापक जनसहयोग से प्रदेश के कुल हरित क्षेत्र में सतत वृद्धि हो रही है। हमारा लक्ष्य प्रदेश के कुल हरित क्षेत्र को वर्तमान के 9 प्रतिशत से बढ़ाकर वर्ष 2026-27 तक 15 प्रतिशत तक ले जाने का है। इस लक्ष्य के अनुरूप 05 वर्षों में 175 करोड़ पौधे लगाने और संरक्षित करने होंगे। इस लक्ष्य के अनुरूप हम सभी को प्रयास करने होंगे। इसके लिए ह्यपेड़ लगाओ-पेड़ बचाओह्न के संदेश से जन-जन को जोड़ने की आवश्यकता है। मनरेगा के तहत पौधरोपण को प्रोत्साहित करते हुए मुख्यमंत्री कृषक वृक्ष धन योजना, मुख्यमंत्री फलोद्यान योजना और मुख्यमंत्री सामुदायिक वानिकी तथा वन विभाग की सामाजिक वानिकी योजना के रूप में किसान और पर्यावरण के हित में अत्यन्त उपयोगी प्रयास किए जा रहे हैं। इन योजनाओं के अन्तर्गत मनरेगा के लाभार्थी यदि अपनी भूमि पर पौधे लगाकर उनका संरक्षण करते हैं, तो उन्हें वित्तीय प्रोत्साहन भी दिया जा रहा है। अपने क्षेत्र में इन योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कराते हुए ज्यादा से ज्यादा किसानों को लाभान्वित कराएं। इससे पौधरोपण भी होगा और किसानों की आय भी बढ़ेगी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इस वर्ष वृहद पौधरोपण अभियान में 35 करोड़ पौधे लगाए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके तहत, 22 जुलाई को हम सब मिलकर 30 करोड़ पौधे लगाएंगे, जबकि 15 अगस्त, 2023 को स्वतंत्रता दिवस पर 05 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य है। इस महाभियान की सफलता के लिए जन सहयोग आवश्यक है। सभी जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है कि वह अपने-अपने क्षेत्र में आमजन को इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करें। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि लोग उत्साह और उमंग के साथ वृहद पौधरोपण अभियान से जुडें। पौधरोपण को जन आन्दोलन बनाएं। हर ग्राम पंचायत/शहरी वॉर्ड 01-01 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य रखे। नगर पंचायत में 05 हजार, नगर पालिका परिषद में 10 हजार, नगर निगम ने 05-10 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य हो। सांसद व विधायक सहित हर जनप्रतिनिधि इसका सहभागी बने। ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत अध्यक्ष, जिला पंचायत अध्यक्ष, नगर पंचायत अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष, नगर निगमों के महापौर अपने सदस्यों व पार्षदों के साथ बैठक कर विस्तृत कार्ययोजना तैयार करें। कहां पौधारोपण होना है, कौन सा पौधा लगाना है, तय कर लें। पौधा लगाना जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही उसका संरक्षण। ऐसे में पौधरोपण के साथ ट्री-गार्ड भी लगाए जाएं। यह सुनिश्चित करें कि, किस पौधे की देखभाल कौन करेगा, कैसे करेगा। यह हम सभी के भविष्य के लिए है। अतः हम सभी को पूरी गम्भीरता के साथ एकजुट होकर काम करना होगा। हर पौधे की जियो टैगिंग हो। सेल्फी लें और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड करें। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आह्वान पर प्रदेश में बड़ी संख्या में अमृत सरोवर निर्मित किये गए हैं। वर्षा जल संचयन का यह प्रयास, आपके क्षेत्र में निम्न भूगर्भीय जल स्तर को बेहतर करने और खारे पानी की समस्या के समाधान का माध्यम बनेगा। पौधरोपण के लिये यह सरोवर उपयुक्त स्थल हो सकते हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को सहजन का पौधा लगाने को दिया जाए। क्षेत्र पंचायत, जिला पंचायत और सभी नगरीय निकाय अपनी सड़कों के किनारे व डिवाइडर पर पौधे लगाएं। नदियों के किनारे भी उपयुक्त स्थान पर पौधे लगाए जाने चाहिए। स्थान चिन्हित करते हुए, थीम आधारित पौधे रोपित किये जाएं। छायादार, फलदार, इमारती लकड़ी व औषधीय पौधे लगाए जाएं। पाकड़ का वृक्ष बहुत छायादार होता है। भीषण गर्मी में भी यह किसी एयरकन्डीशनर से कम नहीं होता। इसे निराश्रित गो-आश्रय स्थलों पर लगाया जाए। पौधरोपण कार्यक्रम की सफलता के लिए अच्छा होगा कि हम जनसहभागिता सुनिश्चित करें। राज्य में 25 करोड़ लोग रहते हैं, अगर एक व्यक्ति एक पौधा भी लगायेगा तो हम 25 करोड़ पौधे प्रदेश में लगा सकते हैं। 35 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य हमारे लिए कठिन नहीं है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के वृहद पौधरोपण कार्यक्रम को दुनिया सराहती है। वर्ष 2022 में प्रदेश सरकार ने 22 करोड़ पौधे लगाये थे। तब उस समय फ्रांस के राष्ट्रपति भारत आये थे।

शीघ्र घोषित हों सीयूईटी-यूजी के परिणाम : अभाविप

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग व राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) से संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा स्नातक के परिणाम शीघ्र घोषित करने की मांग की है। प्रवेश-परीक्षा परिणाम में विलम्ब होने के कारण अकादमिक कैलेंडर प्रभावित होगा। कई विश्वविद्यालयों में पहले से ही विलंब से चल रहे अकादमिक सत्र और अधिक प्रभावित हो सकते हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय मीडिया संयोजक आशुतोष सिंह ने बताया कि अभाविप ने देश के सभी शैक्षणिक संस्थानों में अकादमिक सत्र को समय से प्रारंभ करने और परीक्षाएं आदि समय पर आयोजित करने की दिशा में यथासंभव शीघ्रता से कदम बढ़ाने की मांग की है। अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल ने कहा कि कोरोना महामारी के उपरांत पर्याप्त समय बीत जाने के उपरांत भी विभिन्न विश्वविद्यालयों में अकादमिक सत्र का पटरी पर न लौटना दुर्भाग्यपूर्ण है। सीयूईटी-यूजी के माध्यम से केन्द्रीय विश्वविद्यालयों सहित बड़ी संख्या में अन्य विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में प्रवेश होंगे। ऐसे में समय से सीयूईटी-यूजी के परिणाम घोषित होने चाहिए। बीते अकादमिक सत्र में कई शैक्षणिक संस्थानों में स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया दिसंबर तक चली। इस वर्ष ऐसी स्थिति नहीं बननी चाहिए। देश के सभी विश्वविद्यालयों में निश्चित समय अवधि के भीतर प्रवेश-प्रक्रिया पूर्ण होनी चाहिए और तय समयानुसार कक्षाएं शुरू होनी चाहिए।

दिल्ली जलजमाव के मद्देनजर मेयर ने की बैठक, दिए आवश्यक निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली में लगातार हो रही बारिश और जलजमाव के मद्देनजर मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए मेयर डॉ.

शैली ओबरॉय ने आज सिविक सेंटर में जन स्वास्थ्य विभाग के साथ समीक्षा बैठक की. डीएमसी ड्राइव के तहत हुई बैठक के दौरान अधिकारियों को वार्डस्तर पर जागरूकता अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिये. साथ ही अधिकारियों से स्टाफ, उपकरण और उनकी कार्यप्रणाली को लेकर जानकारी मांगी.

धीरेंद्र शास्त्री के कार्यक्रम में सेवादार ने महिला को उठा कर रेलिंग के पार फेंका, एफआईआर दर्ज

नोएडा। बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री का कार्यक्रम ग्रेटर नोएडा में चल रहा है। इस कार्यक्रम को लेकर काफी विवाद सामने आया है। यह विवाद एक सेवादार के एक महिला को रेलिंग के पार फेंकने के बाद शुरू हुआ। एक तरफ जहां अव्यवस्थाओं के चलते लोगों को दिक्कतें हो रही हैं, वहीं दूसरी तरफ अब सेवादार भी लोगों और महिलाओं से बदतमीजी करते हुए दिखाई दे रहे हैं। एक वीडियो सामने आया है जिसका संज्ञान लेते हुए गौतम बुध नगर में पुलिस ने मामला दर्ज किया है और सेवादार की तलाश की जा रही है। वीडियो में एक सेवादार एक महिला को उठाकर रेलिंग से दूसरी तरफ फेंकता दिख रहा है। वह महिला दरबार में अर्जी लगाने के लिए रेलिंग फांदकर दूसरी तरफ आ गई थी। जब सेवादार महिला के साथ बदसलूकी कर रहा था तो उस वक्त वहां पुलिस वाले भी मौजूद थे लेकिन उन्होंने उसे नहीं रोका। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने संज्ञान लिया है और इस मामले में सूरजपुर थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। पीड़ित महिला और सेवादार की पहचान की जा रही है।

सीएम केजरीवाल का फैसला- दिल्ली के तीन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट और बाढ़ग्रस्त क्षेत्र के सभी स्कूल बंद

नई दिलली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दिल्ली में बाढ़ की स्थिति और यमुना के बढ़ते जलस्तर पर नजर बनाए हुए हैं। गुरुवार सुबह उन्होंने एक के बाद एक ट्वीट कर कई बातें कहीं। सबसे पहले उन्होंने अपने पार्टी के कार्यकर्ताओं, पार्षदों, विधायकों से बाढ़ग्रस्त इलाके में जाकर लोगों की मदद के लिए कहा। फिर स्कूलों के बंद होने का भी एलान किया है।

डीडीएमए की बैठक में भी शामिल हुए सीएम

डीडीएमए की बैठक संपन्न होने के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर जानकारी दी कि इस बैठक में क्या-क्या फैसले लिए गए हैं।

यमुना में जलस्तर बढ़ने के बाद पैदा हुए हालात पर आज DDMA की बैठक हुई। दिल्ली में सभी स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटी को रविवार तक के लिए बंद किया जा रहा है। सभी गैर-जरूरी सरकारी दफ्तरों को work from home से किया जा रहा है। प्राइवेट ऑफिस को भी Work from home लागू करने की एडवाइजरी जारी की जा रही है। वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट बंद होने से पानी की सप्लाई 25 प्रतिशत तक प्रभावित होगी। इसलिए पानी की राशनिंग की जाएगी। दिल्ली में जरूरी सेवाओं वाले बड़े वाहनों को ही आने की इजाजत दी जाएगी। सभी दिल्लीवासी धैर्य रखें, जल्द पानी का स्तर कम होगा और स्थिति सामान्य होगी।

दिल्ली के तीन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बंद

सीएम ने ट्वीट कर जानकारी दी कि यमुना में बढ़ते जल स्तर की वजह से वजीराबाद, चन्द्रावल

और ओखला वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट बंद करने पड़ रहे हैं। इस वजह से दिल्ली के कुछ इलाक़ों में पानी की परेशानी होगी। जैसे ही यमुना का पानी कम होगा, इन्हें जल्द से जल्द चालू करने की कोशिश करेंगे।

वाटर ट्रीटमेंट का दौरा करने पहुंचे सीएम केजरीवाल ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यमुना नदी में जलस्तर बढ़ने से आज कई वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट बंद करने पड़े हैं। यमुना किनारे बने वज़ीराबाद वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का आज मैंने खुद दौरा किया। जैसे ही स्थिति यहाँ सामान्य होगी हम इसे जल्द शुरू करेंगे। यमुना नदी में जलस्तर बढ़ने से आज कई वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट बंद करने पड़े हैं। यमुना किनारे बने वज़ीराबाद वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का आज मैंने खुद दौरा किया। जैसे ही स्थिति यहाँ सामान्य होगी हम इसे जल्द शुरू करेंगे। यमुना में बढ़ते जल स्तर की वजह से वज़ीराबाद, चन्द्रावल और ओखला वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट बंद करने पड़ रहे हैं। इस वजह से दिल्ली के कुछ इलाक़ों में पानी की परेशानी होगी। जैसे ही यमुना का पानी कम होगा, इन्हें जल्द से जल्द चालू करने की कोशिश करेंगे।

दिल्लीवालों से की ये अपील

यमुना का जल स्तर लगातार बढ़ रहा है। अब पानी 208.46m पर पहुंच गया है। बढ़ते हुए जल स्तर के कारण, यमुना के आस पास की सड़कों पर आ गया है। आपसे अनुरोध है कि इन रास्तों पर ना जाएं। जिन आबादी वाले इलाकों में पानी भरा है, वहां से लोगों को evacuate कर रहे हैं। वहां रहने वालों से अनुरोध है कि प्रशासन का सहयोग करें। लोगों की जान बचाना सबसे जरूरी है। सभी दिल्ली वालों से अपील है कि इस आपातकाल स्थिति में एक-दूसरे का हर संभव सहयोग करें।

सरकारी-प्राइवेट स्कूल बंद

दिल्ली के सीएम ने ट्वीट कर बताया कि दिल्ली के जिन इलाकों में पानी भर रहा है वहां पर सब सरकारी व प्राइवेट स्कूलों को बंद कर रहे हैं।

खतरनाक स्तर पर पहुंचा यमुना का जलस्तर, ट्रैफिक पुलिस ने जारी की एडवाइजरी, इन रूट पर जाने से बचें

नई दिलली। दिल्ली में यमुना के खतरे के निशान के ऊपर बहने के कारण आउटर रिंग रोड पर ट्रैफिक प्रभावित हुआ है। ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि आउटर रिंग रोड पर वजीराबाद ब्रिज से विकास मार्ग के बीच का रास्ता बंद किया गया है। वहीं, महात्मा गांधी रोड का कालीघाट मंदिर से दिल्ली सचिवालय का रोड भी बंद किया गया है।

दिल्ली ट्रांसपोर्ट विभाग का बड़ा फैसला

यमुना का जलस्तर बढ़ने के बाद दिल्ली ट्रांसपोर्ट विभाग ने बड़ा फैसला लेते हुए सिंघु बॉर्डर, बदरपुर बॉर्डर, लोनी बॉर्डर और चिल्ला बॉर्डर से आने वाले सभी भारी वाहनों की एंट्री दिल्ली में बैन कर दी है। हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड से कश्मीरी गेट आने वाली सभी अंतरराज्यीय बसें सिंघु बॉर्डर पर रुकेंगी।

ट्रैफिक पुलिस ने कमर्शियल वाहन को लेकर जारी की है एडवाइजरी

अब पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में कमर्शियल वाहनों की आवाजाही ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है।

एडवाइजरी के अनुसार इस प्रकार होगी यातायात व्यवस्था

गैर-नियत कमर्शियल वाहनों को दिल्ली में एंट्री करने की अनुमति नहीं दी जाएगी और उन्हें पूर्वी और पश्चिमी पेरिफेरल एक्सप्रेस वे की ओर मोड़ दिया जाएगा।

कमर्शियल वाहनों को मुकरबा चौक से डायवर्ट किया जाएगा। मुकरबा चौक और वजीराबाद ब्रिज के बीच किसी भी व्यावसायिक वाहन को अनुमति नहीं दी जाएगी। व्यावसायिक वाहनों को सराय काले खां से डायवर्ट किया जाएगा। सराय काले खां और आईपी फ्लाईओवर के बीच किसी भी व्यावसायिक वाहन को अनुमति नहीं दी जाएगी।

गाजीपुर बॉर्डर से कॉमर्शियल वाहनों को डायवर्ट किया जाएगा

कमर्शियल वाहनों को अक्षरधाम से डीएनडी की ओर डायवर्ट किया जाएगा।

अक्षरधाम और सराय काले खां के बीच किसी भी व्यावसायिक वाहन को अनुमति नहीं दी जाएगी।

इन रास्तों पर भी ट्रैफिक प्रभावित

दिल्ली की ट्रैफिक पुलिस ने ट्वीटर के जरिए बताया है कि नांगलोई बस स्टैंड से दिल्ली गेट की ओर जाने वाले मार्ग में फिरनी रोड, नजफगढ़ पर यातायात प्रभावित हुआ है। साथ ही ट्रैफिक पुलिस ने बताया है कि फर्नीचर मार्केट के पास एक बस भी खराब हो गई थी, जिसके कारण जाम लगा है।साथ ही दिल्ली के कई इलाकों में सड़कों का सुधार कार्य भी चल रहा है। टैफिक पुलिस ने बताया है कि विश्राम चौक, छोटू राम मार्ग, रोहिणी के सेक्टर -5 में यातायात बाधित रहेगा।

वहीं,'यमुना नदी के बढ़ते जल स्तर के कारण, जीटी रोड पर शाहदरा से आईएसबीटी, कश्मीरी गेट की ओर आने वाले यातायात को सीलमपुर टी-पॉइंट से केशव चौक - कड़कड़डूमा कोर्ट - रोड नंबर 57- एनएच -24 के माध्यम से डायवर्ट किया गया है।'

ग्रेटर नोएडा में ग्रेनो वेस्ट के गैलेक्सी प्लाजा में लगी भीषण आग, पांचवी मंजिल से कूदा शख्स,मचा हड़कंप

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में बने गैलेक्सी प्लाजा में आग लगने से हड़कंप मच गया। इसका एक वीडियो भी सामने आया। जिसमें कुछ लोग पांचवी मंजिल से नीचे कूदते हुए दिखाई दिए। जानकारी के मुताबिक एक व्यक्ति पांचवी मंजिल से कूद गया, उसका भी वीडियो

सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि उसे काफी चोट भी लगी है। बताया जा रहा है कि उसके सिर और रीढ़ की हड्डी में काफी तेज चोट लगने के कारण उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। सूचना मिलने के बाद मौके पर फायर ब्रिगेड की टीम और बिसरख कोतवाली की पुलिस टीम भी पहुंच गई है।

शुरुआती जांच में पता चला है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से ही आग लगी है। आग बहुत ज्यादा भीषण नहीं है। लेकिन, प्लाजा के अंदर धुआं भर जाने से लोगों का दम घुट रहा है और लोग नीचे भी नहीं उतर पा रहे। इसीलिए पांचवी मंजिल से लोगों के कूदने की सूचना मिली है। फिलहाल मौके पर पहुंची टीम ने राहत बचाव का कार्य शुरू कर दिया है। लेकिन, अभी यह बता पाना काफी मुश्किल है कि प्लाजा के अंदर कितने लोग मौजूद हैं। फायर ब्रिगेड और लोकल पुलिस के जरिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है और जो लोग भी अंदर फंसे हैं, उनको निकालने का प्रयास किया जा रहा है।

शीला दीक्षित के आवास पर शिफ्ट हो सकते हैं राहुल गांधी,अभी तक रहते है मां सोनिया गाँधी के साथ

नई दिलली। मोदी उपनाम' टिप्पणी मामले में संसद की सदस्यता से अयोग्य ठहराए जाने के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 22 अप्रैल को अपना आधिकारिक आवास खाली कर दिया था। अब वो एक नए पते पर शिफ्ट होने वाले हैं। कांग्रेस पार्टी के सूत्रों ने ये जानकारी दी है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, राहुल गांधी दक्षिणी दिल्ली के निज़ामुद्दीन पूर्व में दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी की दिग्गज नेता शीला दीक्षित के आवास पर शिफ्ट हो सकते हैं। तीन बार दिल्ली की मुख्यमंत्री रह चुकी शीला दीक्षित के बेटे और पार्टी के पूर्व सांसद संदीप दीक्षित ने पहले ही राहुल गांधी के लिए मकान खाली कर दिया है।

मुठभेड़ के बाद दिल्ली में दोहरे हत्याकांड के दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिलली। दिल्ली पुलिस ने दोहरे हत्याकांड में वांछित दो अपराधियों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी कि तड़के इन अपराधियों ने दो लोगों की हत्या की थी। अपराधियों की पहचान इंदिरा चौक निवासी शाहबाज उर्फ शिब्बू (22) और मरगाजी चौक, जाफराबाद निवासी मिस्बाह (21) के रूप में की गई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि रात करीब 10:48 बजे ज्योति नगर पुलिस स्टेशन में एक कॉल आई कि पूर्वोत्तर जिले की स्पेशल स्टाफ टीमों और दो अपराधियों के बीच मुठभेड़ हुई है, यह अपराधी दोहरे हत्याकांड में वांछित थे। अधिकारी ने बताया कि अम्बेडकर कॉलेज के पीछे कबीर नगर में पुलिस और अपराधियों के बीच फायरिंग हुई। दोनों अपराधी स्कूटी पर सवार थे। अधिकारी ने कहा कि अपराधियों ने रुकने के बजाय भागने की कोशिश की और गोलियां चला दीं।

पुलिस की जवाबी फायरिंग में दोनों अपराधियों के पैर में गोली लगी। अधिकारी ने बताया दोनों अपराधियों के पास सेमी ऑटोमैटिक पिस्तौलें थीं। अपराधी शाहबाज़ पर हत्या सहित कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह पिछले महीने जमानत पर बाहर आया था। मिस्बाह भी हत्या सहित कई मामलों में नामजद है। अधिकारी ने बताया कि वह पिछले महीने जमानत पर बाहर भी आया था अधिकारी ने बताया कि दोनों को जीटीबी अस्पताल ले जाया गया जहां उनका इलाज चल रहा है। जानकारी अनुसार मंगलवार को प्रदीप (40) और बब्लू उर्फ पाटला (40) की हत्या की गई थी।

मनीष सिसोदिया को राहत, अब कोर्ट में होगी फिजिकल पेशी; पुलिस ने दी थी ये अर्जी

नई दिल्ली। दिल्ली आबकारी घोटाले के मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट में आज बृहस्पतिवार को सुनवाई हुई। इस मामले में आरोपित दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की अब व्यक्तिगत तौर पर पेशी होगी। कोर्ट में अगली सुनवाई से उन्हें व्यक्तिगत तौर पर पेश होने का आदेश दिया है। जानकारी के मुताबिक, मामले की अगली सुनवाई 31 जुलाई को होगी। बता दें कि इससे पहले दिल्ली पुलिस ने कोर्ट में अर्जी दी थी कि सुरक्षा कारणों से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए पेशी की इजाजत दी जाए। वहीं, सिसोदिया के वकील ने फिजिकल पेशी की मांग की थी।

दिल्ली हाईकोर्ट से मिला था झटका

उल्लेखनीय है कि इससे पहले 3 जुलाई को आबकारी नीति से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में निचली अदालत के निर्णय को बरकरार रखते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

इस दौरान न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा की पीठ ने कहा था कि सिसोदिया मनी लांड्रिंग के तहत जमानत देने की दोहरी शर्तों के साथ-साथ जमानत देने के लिए ट्रिपल टेस्ट को पूरा करने में विफल रहे हैं। इसमें अदालत को

यह देखना होता है कि क्या आरोपित के न्याय से भागने, साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ और गवाहों को प्रभावित करने की संभावना है या नहीं।

अदालत ने कहा था कि नीतियां वरिष्ठ नौकरशाहों द्वारा राजनीतिक प्रमुखों की देखरेख में बनाई जाती हैं, जबकि मौजूदा मामले में वरिष्ठ नौकरशाह कह रहे हैं कि मार्जिन को पांच से बढ़ाकर 12 प्रतिशत करने जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर कोई चर्चा नहीं हुई। अदालत ने कहा था कि आबकारी नीति मामला एक अनोखा मामला है, जिसमें यह आरोप लगाया गया है कि उपमुख्यमंत्री ने कुछ बाहरी लोगों के कहने पर एक नीति बनाई जो इसके लाभार्थी बनने वाले थे। निचली अदालत के निर्णय को तर्कसंगत करार देते हुए अदालत ने कहा था कि नीतियां बनाते समय बाहरी जनता के पास पहुंच का कोई साधन नहीं होता है।

अदालत ने कहा था कि ईडी का यह भी आरोप है कि सिसोदिया सात मार्च, 2023 को दिए गए बयान में भी मार्जिन प्रतिशत को पांच से बढ़ाकर 12 प्रतिशत करने का कोई उचित कारण नहीं बता सके। साथ ही गवाहों के बयानों से स्पष्ट रूप से संकेत मिलता है कि कुछ बाहरी लोग आबकारी नीति की अवधारणा, निर्माण पर पहले से ही काम कर रहे थे।

सिसोदिया के खिलाफ आरोप बहुत गंभीर

इतना ही नहीं नीति के समर्थन में ईमेल तैयार करने के आरोप से यह स्पष्ट है कि सब कुछ पारदर्शी और वास्तविक तरीके से नहीं किया जा रहा है। अदालत ने आगे कहा कि सिसोदिया के खिलाफ आरोप बहुत गंभीर हैं और सार्वजनिक धन के भारी नुकसान से जुड़ी गहरी साजिश का आरोप होने के कारण इस मामले को एक अलग दृष्टिकोण से देखा जाना। सिसोदिया की आबकारी नीति से जुड़े सीबीआई व ईडी के मामले में निचली अदालत से जमानत याचिका खारिज हो चुकी है।

वहीं, सीबीआई मामले में निचली अदालत के निर्णय को चुनौती देने वाली जमानत याचिका हाईकोर्ट ने 30 मई को खारिज कर दी थी। इसके साथ ही पत्नी के खराब स्वास्थ्य के आधार पर छह सप्ताह के लिए अंतरिम जमानत की मांग वाले आवेदन को हाईकोर्ट खारिज कर चुका है।

गाजियाबाद में हाइटेंशन लाइन की चपेट में आई कांवड़ियों की गाड़ी, 9 कांवड़िये झुलसे, एक की मौत,ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

गाजियाबाद। लोनी थाने के बंथला चिरोड़ी मार्ग पर बुधवार देर रात गैस सिलिंडर से भरे ट्रक को बचाने में कांवड़ियों की गाड़ी हाइटेंशन लाइन की चपेट में आ गयी। जिससे कांवड़ियों की गाड़ी में करंट उतर गया और 09 कांवड़िया घायल हो गए। घायल कावड़ियों में एक कांवरिया की मौत हो गई। घटना बाद स्थानीय लोगों का गुस्सा भड़क गया। उन्होंने हाइवे बंद करते हुए हंगामा व प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना मिलने पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और झुलसे कांवड़ियों को पास के अस्पताल पहुंचाया। लोगों के गुस्से को देख घटनास्थल पर ग्रामीण जोन के तीन थानों की फोर्स को मौके पर तैनात किया गया है। एसीपी रजनीश कुमार उपाध्याय ने बताया मामला पूरी तरह से नियंत्रण में है और मृतक कांवरिया के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

बुधवार को गांव से तीन डाक कांवड़ वाहन हरिद्वार के लिए निकला था। दो डाक कांवड़ वाहन शाम को निकल गया था। जबकि तीसरी डाक कांवड़ गाड़ी रात करीब नौ बजे निकली। घर से निकलने के बाद सभी कांवड़िए गांव के मंदिर में दर्शन करने गए थे। इस बीच कांवड़ियों ने गाड़ी में डीजे लगाया। जैसे ही डाक कांवड़ वाहन बंथला चिरोड़ी रोड पर पहुंचा तो सामने से गैस सिलिंडर से भरा ट्रक आ गया। उसके चालक ने अपना ट्रक निकालने का प्रयास किया लेकिन वह डाक कांवड़ के वाहन से टकरा गया। डाक कांवड़ के चालक ने दूसरी तरफ गाड़ी मोड़ने का प्रयास किया तो वह हाइटेंशन लाइन की चपेट में आ गई। जिससे गाड़ी में करंट उतर आया। हादसे में कांवड़िया गौरव (21) की मौत हो गई और आठ कांवड़िए गंभीर रूप से झुलस गए।

घटनास्थल पर पुलिस अधिकारियों ने तुरंत डाक कांवड़ वाहन और ट्रक को हटवा दिया। परिजन अपनी मांग पर अड़े रहे। देर रात तक मुख्य रोड पर परिजनों का हंगामा और धरना-प्रदर्शन चलता रहा। बाद में एसडीएम सालवी अग्रवाल के आश्वासन के बाद मामला शांत हुआ।

10 करोड़ में बेची सेना की जमीन, एक गिरफ्तार

गाजियाबाद। गाजियाबाद में एक जमीन का सौदा हुआ और जब जांच हुई तो पता चला कि वह जमीन सेना की है। रजिस्ट्री में उस जमीन का सौदा 10 करोड़ में किया गया था और बेचने वाले के अकाउंट में खरीददार ने 4 करोड़ ट्रांसफर भी कर दिए थे। शिकायत के बाद पुलिस ने मजीद उर्फ माजिद नाम के जालसाज को गिरफ्तार किया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 28 जून को सब रजिस्ट्रार ने थाना सिहानी गेट पर एक एफआईआर दर्ज करवाई थी। इसके मुताबिक, खसरा नंबर-529 की जमीन रक्षा विभाग की थी। जिसे मजीद नामक शख्स ने सेमटैक एसोसिएट कंपनी को 10 करोड़ रुपए में बेच दी।

जमीन के बैनामे में जो नक्शा लगाया गया, उसमें रक्षा विभाग की संपत्ति स्पष्ट रूप से दिखाई गई है। सिहानी गेट पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट के एसीपी रवि कुमार सिंह ने जानकारी दी है कि जमीन खरीदने वाले लोग भी जांच के घेरे में हैं। पुलिस उनकी भूमिका पर जांच कर रही है। संभवतः आरोपियों का मकसद जमीन को खरीदकर इस पर कब्जा करना था।

दवाइयों एवं ब्लड और ब्लड कंपोनेंट की पर्याप्त मात्रा की उपलब्धता बनाए रखने का उद्देश्य

गौतम बुद्ध नगर.: डीएम मनीष कुमार वर्मा के निदेर्शों के क्रम में जनपद में दवाइयों एवं ब्लड और ब्लड कंपोनेंट की गुणवत्ता एवं पर्याप्त मात्रा की उपलब्धता बनाए रखने के उद्देश्य से औषधि निरीक्षक एक्टिव औषधि निरीक्षक वैभव बब्बर ने मेट्रो हॉस्पिटल नोएडा में स्थित ब्लड सेंटर का किया निरीक्षण मानकों के अनुरूप पाया गया रेफ्रिजरेटर में भंडारित ब्लड यूनिट का वजन और हिमोग्लोबिन दो मेडिकल स्टोर का निरीक्षण कर, जांच के लिए दो दवाइयों के नमूने किए संग्रहित उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की मंशा के अनुरूप एवं डीएम मनीष कुमार वर्मा के निदेर्शों के क्रम में जनपद गौतम बुद्ध नगर में मानकों के अनुरूप दवाइयों, ब्लड बैंकों में ब्लड की उपलब्धता एवं गुणवत्ता बनाए रखने के उद्देश्य से जनपद के खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारीगण निरंतर स्तर पर अभियान चलाकर अपनी कार्रवाई सुनिश्चित कर रहे हैं।इसी श्रंखला में विगत दिवस औषधि निरीक्षक वैभव बब्बर के द्वारा बदलते मौसम को देखते हुए जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर के निर्देश पर मेट्रो हॉस्पिटल, नोएडा में स्तिथ ब्लड सेंटर का निरीक्षण किया गया। उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान0ब्लड बैंक के उपकरण,0ब्लड0स्टोरेज रख रखाव एवं0संबंधित अभिलेखों की जांच की गई। मौके पर ही रेफ्रिजरेटर में भंडारित दो ब्लड यूनिट का वजन और हीमोग्लोबिन की जांच करायी गयी जो कि मानकों अनुसार पायी गयी। भारत सरकार द्वारा दी गई गाइड लाइंस के पालन करने के लिए ब्लड बैंक को नवीन स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर को फालो करने तथा ब्लड बैंक को ब्लड यूनिट की कीमत को ओपन टू पब्लिक और बड़े अक्षरों में डिस्प्ले करने के निर्देश दिए गए हैं। औषधि निरीक्षक द्वारा बताया गया कि ब्लड सेंटर में डेंगू की बीमारी में कारगर प्लेटलेट्स की ज्यादा मांग नहीं आयी है, ब्लड बैंक में पर्याप्त मात्रा में ब्लड एवं ब्लड कंपोनेंट्स मौजूद हैं। ब्लड बैंक के निरीक्षण के उपरांत औषधि निरीक्षक के द्वारादो मेडिकल स्टोर का निरीक्षण कर जांच के लिए दो दवा के नमूने संग्रहित किए। नोएडा सेक्टर 119 स्तिथ सिटी फार्मसी से एक ब्लड प्रेशर की औषधि का नमूना लिया गया तथा वहीं सेक्टर 119 स्तिथ एक प्रधान मंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र से एक दवा का नमूना संगृहीत किया गया। दोनों नमूनों को जांच के लिए प्रयोग शाला भेजा जा रहा है। उसी निरीक्षक ने बताया कि आगे भी डीएम मनीष कुमार वर्मा के निर्देश के क्रम में जनपद में दवाइयों एवं ब्लड बैंकों में ब्लड की मानकों के अनुरूप उपलब्धता एवं गुणवत्ता बनाए रखने के उद्देश्य से अभियान चलाकर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

नोएडा में हथिनीकुंड के सैलाब में फंसीं सैकडों गाय रेस्क्यू

नोएडा। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में लगातार बढ़ते यमुना के जलस्तर के कारण बाढ़ जैसे हालात पैदा होने लगे हैं । आलम यह है कि हरियाणा के हथिनी कुंड से 3 लाख 44 हजार पानी छोड़े जाने के बाद यमुना नदी का जलस्तर लगातार बढ़ा है । दिल्ली सहित दिल्ली से सटे नोएडा और ग्रेटर नोएडा में इसका असर साफ तौर पर देखने को मिला है । आलम यह है कि यमुना से सटे छपरौली मंगरौली गांव सहित ग्रेटर नोएडा के मुर्शदपुर और जेवर के कई गांवों के खेतों में यमुना नदी का पानी आ गया है। जिसके कारण किसानों की फसल पूरी तरीके से बर्बाद हो गई है । तो वही दो गौशाला भी बाढ़ की चपेट में आ गईं। जिसके चलते सैकडों गाय पानी में फंस गईं। सूचना पाकर छपरौली मंगरौली में फायर विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर 250 से अधिक गायों का रेस्क्यू किया । जिला प्रशासन ने यमुना नदी से सटे गांव के लोगों को यमुना नदी से दूर रहने की हिदायत दी है । गांव के लोगों का कहना है कि यमुना नदी में अचानक से पानी के कारण जंगलों में रहने वाले जहरीले सांप अब गांव की तरफ देखे जा रहे हैं। एक तरफ तो बाढ़ का खतरा और दूसरी तरफ किसानों को ही बर्बाद फसल ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं

एमबीबीएस छात्रा ने लगाई छलांग

ग्रेटर नोएडा। नोएडा की एक ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी में एमबीबीएस की छात्रा ने अपने फ्लैट से कूदकर सुसाइड करने की कोशिश की है। छात्रा ने दूसरी मंजिल से छलांग लगाई है। इस घटना के बाद छात्रा के परिजनों ने आनन-फानन में उसे नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया है। जहां उसका का इलाज चल रहा है। युवती की स्थिति सीरियस बताई जा रही है। यह घटना कोतवाली फेस 3 की है नोएडा पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि लड़की एमबीबीएस की छात्र है। जो अपने परिवार के साथ अजनारा होम्स सोसायटी में रहकर पढ़ाई करती है। छात्र का एक युवक से प्रेम करती है। यह बात उसके परिजनों को पता चल गई। परिजनों ने छात्रा को युवक से बात करने से मना किया। इस बात को लेकर छात्रा और परिजनों के बीच विवाद हो गया। मंगलवार को परिजनों ने छात्रा का मोबाइल छीन लिया। छात्रा हुई नाराजपुलिस के मुताबिक, छात्रा ने परिजनों से युवक से शादी करने की इच्छा जाहिर की। जिसका विरोध परिजनों ने किया। युवक का नाम अमन दुबे है। परिजनों द्वारा मोबाइल छीनने के बाद छात्रा नाराज हो गई। इसी कारण युवती नाराज होकर अपने दूसरी मंजिल पर बने फ्लैट से नीचे कूद गई। युवती का उपचार अस्पताल में जा रही है।

यमुना नदी में बाढ़ की स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए एसडीएम और एसीपी जेवर ने किया यमुना किनारे बसे ग्रामों का निरीक्षण

ग्रेटर नोएडा : यमुना नदी में बाढ़ की स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए एसडीएम जेवर अभय कुमार सिंह और एसीपी जेवर रुद्र प्रताप सिंह ने ग्राम कानीगढी और झुप्पा का निरीक्षण कर अधीनस्थों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए।गौरतलब है कि हथिनी कुण्ड बैराज से पानी छोड़े जाने के बाद यमुना जल स्तर निरंतर बढ़ रहा है। जिसमें यमुना किनारे बसे ग्रामों में बाढ का खतरा मंडरा रहा है। जेवर क्षेत्र के ग्राम कानीगढी और झुप्पा में यमुना का पानी घुस गया है। इसी क्रम में गुरुवार को एसडीएम और एसीपी जेवर ने अन्य विभागों के अधिकारीयों के साथ ग्राम झुप्पा और कानीगढी का निरीक्षण कर बाढ की स्थिति जायजा लिया। एसडीएम जेवर ने यमुना के बढते जल स्तर को दृष्टिगत रखते हुए ग्रामीणों से वार्ता कर उनको आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने सिंचाई विभाग सहित अन्य सम्बन्धित विभागों को किसी भी स्थिति से निपटने के लिए हर समय तैयार रहने और यमुना के बढ़ते जल स्तर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी कार्यालय गौतमबुद्धनगर में बाढ़ कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है।जन सामान्य बाढ़ आपदा की स्थिति में सहायता के लिए 0120-2974274 पर संपर्क कर सकते हैं। अधिकारियों के निरीक्षण के दौरान जेवर कोतवाली प्रभारी मनोज कुमार सिंह,राजस्व विभाग, सिंचाई विभाग,पीडब्लूडी और ब्लाक की टीमें साथ में मौजूद रही।

इंटरनेशनल ट्रेड शो में भाग लेने के लिए सूक्ष्म और लघु उद्यम 80-100% सब्सिडी का उठा सकते हैं लाभ

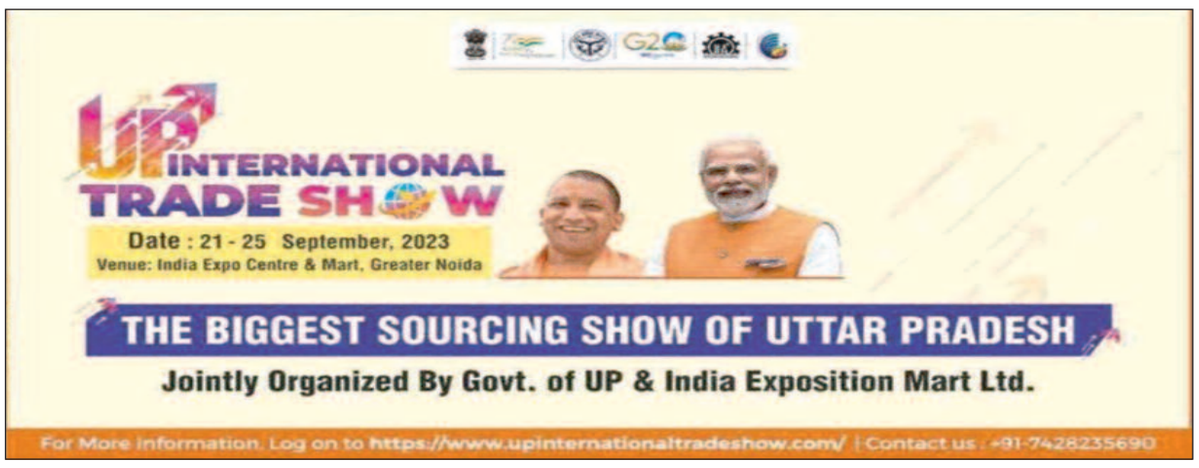

नोएडा। 21-25 सितंबर 2023 तक एक्सपो मार्ट ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने वाले उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में भाग लेने के लिए सूक्ष्म और लघु उद्यम 80-100% सब्सिडी का लाभ उठा सकते हैं। आईआईए की रिकमेंडेशंस पर उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो अब मिनिस्ट्री ऑफ एमएसएमई भारत सरकार के पोर्टल पर पंजीकृत हो गया है जिससे सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों को UPITS मैं अपने उत्पाद प्रदर्शित करने के लिए स्टॉल बुकिंग पर 80 से 100% स्टाल चार्जेस की सब्सिडी उपलब्ध हो सकेगी। जो आईआईए सदस्य इस सुविधा का लाभ उठाना चाहते हैं उन से अनुरोध है कि नीचे दिए गए लिंक के माध्यम से अपना स्टॉल शीघ्र बुक करा कर सब्सिडी के लिए आवेदन करें। सब्सिडी पहले आओ पहले पाओ के आधार पर केवल 60 STALLS के लिए ही उपलब्ध है।

अत्यधिक वर्षा के चलते यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने को लेकर डीएम गंभीर स्थिति का ले रहे जायजा

गौतम बुद्ध नगर। अत्यधिक वर्षा के चलते यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने को लेकर डीएम मनीष कुमार वर्मा गंभीर उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप अत्यधिक वर्षा को दृष्टिगत रखते हुए यमुना नदी में जलस्तर को बढ़ने को लेकर डीएम मनीष कुमार वर्मा बहुत ही गंभीर हैं। जिलाधिकारी राजस्व, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों के साथ निरंतर स्तर पर जनपद का भ्रमण कर यमुना नदी के समीप स्थित ग्रामों में पहुंचकर स्थिति का जायजा ले रहे हैं। जिलाधिकारी अपने भ्रमण के दौरान दोस्तपुर मंगरौली गांव पहुंचे जहां पर यमुना नदी ओवर होने के कारण पानी भरा हुआ है। डीएम ने स्थिति का जायजा लेते हुए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों को स्थिति पर पैनी नजर रखने के निर्देश दिए। बाढ़ प्रभावित ग्रामों से पानी में फंसे लोगों एवं मवेशियों को एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की टीम के द्वारा रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा रहा है। डीएम ने दोस्तपुर मंगरौली, नगला नगली, शाकपुर, नंगली वजूदपुर में पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया साथ ही उन्होंने रेस्क्यू किए गए लोगों के लिए जो शेल्टर होम बनाए गए हैं उनका निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन लोगों को रेस्क्यू करके यहां लाया जा रहा है यहां पर उनकी सभी मूलभूत सुविधाएं एवं खानपान की व्यवस्था सुदृढ़ रखी जाए, ताकि उनको किसी भी तरह की परेशानी ना हो। जिला अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने यमुना नदी के किनारे ग्रामीणों को सचेत करते हुए उनका आह्वान किया है कि अभी आगामी कुछ घंटों तक यमुना नदी का जलस्तर निरंतर बढ़ेगा। सभी ग्रामवासी सतर्क रहें और सुरक्षित स्थानों पर पहुंच जाएं। जिलाधिकारी के साथ-साथ बाढ़ टीमें भी अपने अपने क्षेत्र में निरंतर स्तर पर कार्य करते हुए ग्रामीणों को सुरक्षित बनाए रखने की कार्यवाही सुनिश्चित कर रही हैं।

संक्षिप्त डायरी

सपा ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

ग्रेटर नोएडा :- केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी को पीएमएलए(ईडी) के अंतर्गत लाने के विरोध में समाजवादी पार्टी ने गुरुवार को सूरजपुर स्थित जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया और महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंप इस फैसले को वापिस लेने की मांग की। इस मौके पर समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्रालय जीएसटी को पीएमएलए(ईडी) के अंतर्गत लाने के फैसले से व्यापारियों का शोषण होगा और इंस्पेक्टर राज एवं भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलेगा। अधिकारी इस फैसले का दुरूपयोग करते हुए व्यापारियों की मेहनत की कमाई और अर्जित की गई संपत्ति को टेक्स चोरी का आरोप लगा उनका शोषण करेंगे। जिससे व्यापरीयों का आर्थिक एवं मानसिक उत्पीड़न होगा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी केंद्र सरकार के इस फैसले की घोर निंदा करती है और देश के व्यापारियों के हित के लिए इस फैसले को वापस लेने की मांग करती है इसकी इस मौके पर राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी ने कहा कि जीएसटी प्रणाली पहले से ही जटिल है, ऐसे में ईडी के दायरे में आ जाने के बाद जो लोग पूरा जीएसटी भी दे रहे हैं, उन्हें भी किसी प्रावधान में फंसाकर जेल में डाला जा सकता है। इस तरह के प्रावधान से व्यापारियों का शोषण होगा और देश की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इस मौके पर लोकसभा प्रभारी वीर सिंह यादव, समाजवादी व्यापार सभा के जिलाध्यक्ष विपिन सैन, महेन्द्र यादव, जिला महासचिव सुधीर तोमर, श्याम सिंह भाटी, अतुल शर्मा एडवोकेट, मेंहदी हसन, रोहित मत्ते गुर्जर, अवनीश भाटी, अकबर खान, विकास भनौता, रविंद्र यादव, नवीन भाटी, सागर शर्मा, जुगती सिंह, अजय चौधरी, सुनील बदौली, हैप्पी पंडित, विजय गुर्जर, हुकम सिंह भारती, यशपाल भाटी, हरवीर प्रधान, पवन जोगी, जितेंद्र अग्रवाल, अनिल प्रजापति, वकील सिद्दकी, प्रेमपाल रावल, गजेंद्र यादव, महेश चन्द, बालेश्वर बाल्मीकि, जावेद अंसारी, चमन नागर, विजय यादव, रोशन झा, बब्बू चौहान, सतीश भाटी, नीरज तंवर, मुरारी लाल, बाबू यूनिस, दलमीर खान, दिलीप यादव, पप्पन आदि मौजूद रहे।

न पार्कों की सफाई न पेड़ों की छंटाई, नाराज हुई एसीईओ

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ मेधा रूपम ने बुधवार को ग्रेटर नोएडा के सेक्टर ज्यू वन का भ्रमण किया। इस दौरान प्राधिकरण के सभी संबंधित विभागों के अधिकारीगण, आरडब्ल्यूए के पदाधिकारी व कॉन्ट्रैक्टर भी शामिल रहे। एसीईओ के भ्रमण के दौरान आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों ने सेक्टर में सीवर ओवरफ्लो की समस्या बताई। पेड़ों की छंटाई भी नहीं हुई थी। पार्कों में घास की कटाई भी नहीं दिखी। इस पर एसीईओ ने नाराजगी जताते हुए इन कार्यों को पूरा करने के लिए के लिए 10 दिन का समय दिया गया है। इसके बाद शिकायत मिलने पर कार्रवाई करने की चेतावनी दी। इस दौरान ओएसडी सतीष कुशवाहा, वरिष्ठ प्रबंधक उत्सव निरंजन समेत अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे। एसीईओ मेधा रुपम के भ्रमण के दौरान क्षेत्रवासियों ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। क्षेत्रवासियों ने इस दौरान एसीईओ मेधा रुपम कोक्षेत्र की जनसमस्याओं से अवगत कराया।

बदमाश की तेरहवीं पर न जाने पर पीट-पीटकर किया बुरा हाल

ग्रेटर नोएडा । मुठभेड़ में मारे गए कुख्यात बदमाश मनोज की तेहरवीं में शामिल न होने पर उसके भाई ने अपने साथी के साथ मिलकर गांव के एक व्यक्ति की जमकर पिटाई कर दी। दोनों आरोपियों ने पीट-पीटकर युवक को लहूलुहान कर दिया और धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पीड़ित के भाई ने दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना दादरी में मुकदमा दर्ज कराया है। ग्राम नगला नैनसुख निवासी राजवीर सिंह ने बताया कि उनका भाई सत्यवीर गत 6 जुलाई को नहर के पुल से गांव की तरफ आ रहा था। गांव के पास ही उसे मुकेश ने अपने एक अन्य साथी के साथ उसे रोक लिया। मुकेश ने अपने भाई मनोज की तेरहवीं पर न आने पर सत्यवीर के साथ गाली गलौज शुरू कर दी। इस बात का विरोध करने पर मुकेश उसके साथी ने सत्यवीर के साथ लाठी-डंडों से जमकर मारपीट की। इस दौरान गांव के कुछ लोग मौके पर आ गए जिन्हें देखकर मुकेश अपने साथी के साथ जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया। राजवीर सिंह ने बताया कि इस घटना की जानकारी मिलने पर वह मौके पर पहुंचे और बेहोश हालत में पड़े सतवीर को उपचार के लिए दादरी के सीएचसी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से गंभीर स्थिति को देखते हुए घायल को चिकित्सकों ने प्राइवेट अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। राजवीर सिंह का आरोप है कि मुकेश हाल ही में जनपद हापुड़ में मुठभेड़ में मारे गए कुख्यात बदमाश मनोज का सगा भाई है। मुकेश आए दिन गांव में संगीन घटनाओं को अंजाम देता रहता है। उसके डर के खिलाफ कोई भी व्यक्ति रिपोर्ट लिखाने थाने नहीं जाता है। थाना दादरी प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश की जा रही है।

हत्या में उम्रकैद सजायाफ्ता मुजरिम पैरोल से वापस नहीं लौटा

सोनीपत। हत्या में उम्रकैद सजायाफ्ता मुजरिम परोल पर आया था वापस नहीं लौटा। वह यमुनानगर जेल में हत्या के मामले में उम्र कैद की सजा काट रहा था। उसे जेल से 10 सप्ताह के लिए नियमित परोल दी गई थी। एक जुलाई को जेल में वापस आना था, लेकिन वापस नहीं आया। यमुनानगर जेल अधीक्षक की शिकायत पर उसके खिलाफ थाना गन्नौर में जेल एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। गन्नौर थाना में 22 जून 2017 को गांव बडी डिवाइन सिटी के पास डॉ.कौशल दिल्ली वाले के खेत में जीटी रोड पास एक युवक का शव मिला था। जिसकी पत्थर मार कर हत्या की गई थी। इसी को लेकर बड़ी के सरपंच के पिता सुरेश कुमार ने पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस ने हत्या के इस मामले में छानबीन करते हुए तरूण उर्फ सम्मन निवासी वार्ड नंबर-8, कोट मोहल्ला गन्नौर को गिरफ्तार किया था। तरूण को सोनीपत एडीजे कोर्ट ने 17 जनवरी 2020 को उम्र केद की सजा सुनाई थी। वह हाल यमुनानगर जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। तरूण को सोनीपत जिला मजिस्ट्रेट सोनीपत के आदेश पर 21 अप्रैल 2023 को 10 सप्ताह के लिए नियमित पैरोल पर जेल से रिहा किया गया था।

सांसद ने गोहाना में अर्बन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का किया उद्घाटन

सोनीपत। सांसद रमेश कौशिक ने बुधवार को स्वास्थ्य विभाग द्वारा गोहाना के आर्य नगर में बनाए गए अर्बन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का उद्घाटन किया। सांसद कौशिक ने कहा कि सेंटर के खुलने से यहां के लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग ने इस केन्द्र का निर्माण कर स्वास्थ्य सबंधी बिमारियों की रोकथाम के लिए व आमजन तक निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार भी गरीब लोगों के स्वास्थ्य के लिए अनेक ऐसे कदम उठा रही है, जिससे गरीब लोग भी अच्छे अस्पतालों में अपना उपचार करवा रहे हैं। गरीब व्यक्तियों को मुफ्त में 05 लाख रूपये तक का ईलाज करवाने की सुविधा दी जाती है। केन्द्र सरकार द्वारा देश के 80 करोड़ गरीब लोगों को मुफ्त में राशन उपलब्ध करवाया जा रहा है। सिविल सर्जन डॉ. जयकिशोर ने बताया कि इस केन्द्र के सचांलन हेतु चिकित्सा अधिकारी डा. इंद्र व 4 एएनएम को नियुक्त किया जा चुका है एवं अन्य स्टॉफ कर्मचारियों में एक नर्सिंग ऑफिसर तथा एक कम्प्यूटर ऑपरेटर जल्द नियुक्त कर किया जाएगा। गोहाना नगर परिषद की चेयरपर्सन रजनी विरमानी, डिप्टी सीएमओ डॉ. दिनेश छिल्कर व डॉ. तरूण यादव, डॉ. संजय छिक्कारा तथा डॉ. नीरज यादव आदि उपस्थित रहे।

बिजली निगम एसडीओ के खिलाफ सब यूनिट कर्मचारियों ने गेट मीटिंग कर छठे दिन किया रोष प्रदर्शन

कलायत। बिजली निगम उपमंडल अधिकारी पर अभद्र भाषा व अपमानित करने का आरोप लगाते हुए सब यूनिट कर्मचारियों ने गेट मीटिंग कर रोष प्रदर्शन किया। बुधवार को छठे दिन जारी गेट मीटिंग की अध्यक्षता सत्यवान लाठर द्वारा की गई। बिजली निगम कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे एचएसईबी वर्कर यूनियन सदस्यों ने बताया कि उपमंडल अधिकारी द्वारा कर्मचारियों को लंबे समय से अभद्र भाषा का प्रयोग कर बार बार अपमानित किया जा रहा है जिसका कई दिनों से कर्मचारी विरोध करते आ रहे हैं। लेकिन उपमंडल अधिकारी द्वारा तानाशाही रवैया अपनाया हुआ है उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर जल्द उपमंडल अधिकारी द्वारा उन्हें बातचीत के लिए आमंत्रित नहीं किया गया तो वे जल्द ही आगामी गेट मीटिंग कर बड़े स्तर पर धरना प्रदर्शन करेंगे जाएगा इस दौरान रोहतास शर्मा,जेई शीशपाल, सत्यवान, सुमित, सीए जसविंदर, जगबीर सिंह, कमल, नरेंद्र, प्रदीप नेहरा, सचिन राणा आदि मौजूद रहे।

सरकारी कार्य मे डाल रहे बाधा, निगम उच्च अधिकारियों और पुलिस को दी शिकायत

बिजली निगम एसडीओ अंकित कुमार ने बताया कि उनके द्वारा किसी कर्मचारी के साथ कोई अभद्र व्यवहार नहीं किया गया है। उनके द्वारा लगाए गए सभी आरोप निराधार है। पिछले दिनों निगम उच्च अधिकारियों द्वारा कुछ कर्मचारियों के तबादले किए गए हैं। तबादले से खफा कुछ कर्मचारी कार्यालय का गेट बंद कर प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बारे उनको नोटिस भी जारी किए जा चुके हैं। लेकिन उनके द्वारा नोटिस लेने से भी इनकार किया जा रहा है । उन्होंने बताया कि कर्मचारियों द्वारा की जा रही गेट मीटिंग व प्रदर्शन के कारण सरकारी कार्य में बाधा हो रही है।और आने जाने वाले उपभोक्ताओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है कर्मचारियों द्वारा किए जा रहे प्रदर्शनों को लेकर उच्च अधिकारियों को अवगत करवा दिया गया है। इसके साथ-साथ उनके द्वारा कलायत पुलिस स्टेशन में भी लिखित शिकायत दी है।

रिहायशी इलाकों व खेतों से जल्द निकाला जाए पानी

अम्बाला। मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिए कि रिहायशी इलाकों व खेतों से पानी की निकासी जल्द की जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि लोगों के लिए खाने-पीने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने भारी बारिश के बाद जलभराव से प्रभावित क्षेत्रों का बुधवार को जायजा लेने के लिए 5 जिलों का हवाई सर्वे किया। इसके बाद, उन्होंने अम्बाला में जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक की और जिले में बाढ़ राहत कार्यों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने सभी जिला उपायुक्तों को निर्देश दिए कि अपने-अपने जिलों में माली नुकसान का आकलन करें। जिन गरीब परिवारों के घरों का नुकसान हुआ है, उन्हें तुरंत सरकार की ओर से मदद पहुंचाई जाए। आपदा प्रबंधन फंड से भी सहायता दी जाएगी।

सीएम ने कहा कि पानी की निकासी के लिए यदि प्रशासन को और अधिक पंपों की आवश्यकता है तो वे तुरंत अपने स्तर पर व्यवस्था करें या मुख्यालय को सूचित करें। पानी की निकासी के बाद इलाकों में सफाई व्यवस्था पर जरूर ध्यान दिया जाए। नागरिकों को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े यह जिला प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि अधिकारी फील्ड में उतरकर कार्य करें। आपात सेवाओं जैसे बिजली व पानी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करें। सीएम ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी इलाकों में पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करें। जहां पलाइपलाइन से जलापूर्ति अभी संभव नहीं है, उन इलाकों में पानी के टैंकरों की सप्लाई सुनिश्चित करें।

प्रशासन मुस्तैद-विज

बैठक में गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने कहा कि जिला प्रशासन पूरी मुस्तैदी से कार्य कर

रहा है। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि निचले इलाकों से पानी की निकासी जल्द करें। पानी के टैंकरों की आपूर्ति के लिए भी एक सिस्टम तैयार किया जाए।

240 गांव प्रभावित-सीएम ने कहा कि सरकार ने पशुओं के चारे की व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दे दिए हैं। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर अन्य जिलों से चारे की व्यवस्था करवाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी तक बारिश से 240 गांवों के प्रभावित होने की सूचना है। इसलिए इन गांवों में बीमारियों के बढ़ने की भी संभावना है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी बाढ़ प्रभावित इलाकों में 2 से 3 दिनों के लिए विशेष कैंप लगाकर लोगों को दवाइयां उपलब्ध करवाएं।

बचाव कार्य युद्धस्तर पर

सीएम ने कहा कि औसत से अधिक बारिश होने तथा हिमाचल, पंजाब से भी पानी आने के कारण प्रदेश में बाढ़ के हालात बन गए हैं। कहीं-कहीं तो वर्षों का रिकॉर्ड टूट गया है। बारिश से 7 जिले अंबाला, पचंकूला, कुरुक्षेत्र, करनाल, यमुनानगर, पानीपत और कैथल अधिक प्रभावित हुए हैं। राहत और बचाव कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। उन्होंने कहा कि अभी मानसून सीजन बाकी है, इसलिए आगे के लिए अभी से तैयारी रखें। राहत बचाव कार्यों के प्रबंधों के साथ साथ सीवरेज व्यवस्था दुरुस्त रखें।

किशोरी से दुष्कर्म के दोषी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई

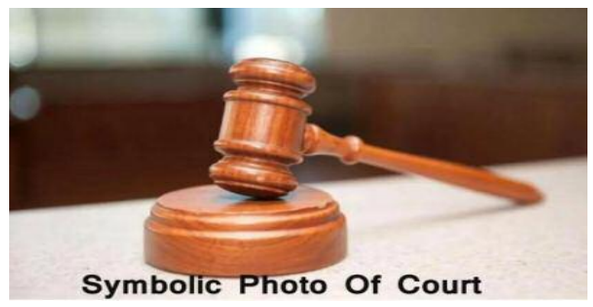

सोनीपत। पशु आहार फैक्टरी में काम करने वाली किशोरी से दुष्कर्म करने के मामले में बुधवार को सोनीपत में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुरुचि अतरेजा सिंह ने आरोपी फैक्टरी मालिक को दोषी करार दिया है। अदालत ने दोषी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई और दोषी पर एक लाख 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। जुर्माना राशि में से एक लाख रुपये पीड़िता को दिए जाने का आदेश दिया है। 8 नवंबर, 2021 को सदर थाना क्षेत्र की रहने वाली 15 वर्षीय किशोरी ने पुलिस को बताया था कि वह पशु आहार फैक्टरी में काम करती थी। उनके परिवार की माली हालत सही नहीं थी वह घर खर्च चलाने के लिए काम करती थी। तीन माह उसका मालिक ब्रजेश उसके साथ दुष्कर्म करता आ रहा था। किसी को बताया तो जान से मारने की धमकी देता था। जब उसे शरीर में बदलाव महसूस हुआ तो उसने किट लाकर जांच की थी। जिसमें उसके गर्भवती होने का पता लगा था। मालिक ब्रजेश के कई बार दुष्कर्म करने के चलते ही वह गर्भवती हो गई। किशोरी के बयान पर सदर थाना पुलिस ने दुष्कर्म व 6 पॉक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज कर लिया था। मामले की सुनवाई करने के बाद एएसजे सुरुचि अतरेजा सिंह ने आरोपी ब्रजेश को दोषी करार दिया। बुधवार को मामले में फैसला सुनाते हुए अदालत ने दोषी को 6 पॉक्सो एक्ट में आजीवन कारावास व एक लाख दस हजार रुपये जुर्माना राशि में से एक लाख रुपये पीड़िता को देने के आदेश दिए गए हैं।

प्रतिमा लगने से पहले बस ने उड़ा दिया महात्मा फुले चौक को

करनाल। करनाल में हांसी चौक के पास महात्मा ज्योति बा फुले चौक पर प्रस्तावित प्रतिमा स्थली पर प्रतिमा प्लेट फार्म को एक रोडवेज की बस ने उड़ा दिया। यहां पर प्रतिमार लगना थी। नगरनिगम और स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत यहां पर महात्मा फुले की प्रतिमा लगना थी। यहां पर प्रतिमा लगाने की मांग करने वालों का आरोप है कि प्रशासन और नग्ररनिगम ने चज्रैक पर प्रतिमा का प्लेट फार्म बनाने में घटिया सामग्री का उपयोग किया हैं। पिछले काप्फी समय से करनाल में सैनी समाज के साथ पिछडा बर्ग तथ सर्व समाज के लोग हांसी चौक पर प्रतिमा लगाने की मांग कर रहे थे। यहां पर चज्रैक पहले भी बनाया गया लेकिन पहले भी एक ट्रक ने इ चौक को उड़ा दिया। उसके बाद नगरनिगम और स्मार्ट सिटी परियोजना के अफसरों ने प्रतिमा स्थली पर प्लेट फार्म तो बना दिया लेकिन प्रतिमा को नहीं लगाया। खाली प्रमिा स्थल लंबे

समय से महात्मा फुले की प्रतिमा का इंतजार कर रहा था। अब समाज द्वारा प्रतिमा का निर्माण करवाया जा रहा था। कुछ दिन पहले तेज गति से आ रही बस ने प्रतिमा स्थलीको तोड़ दिया। प्रतिमा प्लेट फार्म काफी क्षतिग्रस्त हुआ हैं। राष्ट्रीय सैनी सभा के हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष रमेश सने बताया कि इस प्लेटफार्म को बनाने में सरकारी अफसरों ने घोटाला किया ळैं। इसमें घटिया सामग्री का उपयोग किया हैं। उन्होंने कहा कि यां पर घटिया ईंटे सीमेंट का प्रयोग किया गया। इसके अलावा सरुक्षाके नजरिए से इसका सही निर्माण नहीं किया है। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल से महातमा फुले की प्रतिमा स्थली को बनवाने की मांग की हैं। उन्होंने बताया कि सर्व समाज और सैनी समाज यहां पर प्रतिमा केनिर्माणको लेकर तैयारी कर रहा हैं। उन्होंने कहा कि घटिया सामग्री का उपयोग करने वलों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

नशे की आदत दलदल के समान, नशा छोड़कर जीवन को बनाएं बेहतरीन : डीसी

रेवाड़ी, 12 जुलाई

डीसी मो. इमरान रजा व एसपी दीपक सहारण ने बुधवार को शहर के सरकुलर रोड़ स्थित नशा मुक्ति केंद्र का निरीक्षण करते हुए केन्द्र में दाखिल मरीजों का कुशलक्षेम पूछा तथा उन्हें नशे से दूर रहने का आह्वान करते हुए प्रेरित किया। डीसी ने कहा कि नशे की आदत दलदल के समान है, आप इस बुरी लत को छोडक़र जीवन को बेहतरीन बनाकर अपने परिवार के साथ हंसी-खुशी जीवन यापन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार देश को नशा मुक्त बनाने के लिए ज़ीरो टॉलरेंस नीति पर कार्य कर रही है तथा सभी को सरकार की इस मुहिम में अपना सहयोग करना चाहिए।

डीसी ने कहा कि नशा मुक्ति केंद्र में नशा छोड़ने का मन बनाकर आने वाले हर मरीज को डॉक्टरी सुविधा, दवाइयां सहित अन्य सुविधाएं मुहैया करवाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि नशा मुक्ति केंद्र में इलाज के लिए पहुंचे मरीजों के इलाज के बाद भी उन पर नजर रखी जाए। इस दौरान उनकी गतिविधियां करते हुए समय-समय पर रोगियों का नियमित ऑडिट और फॉलोअप किया जाए। उन्हें स्वस्थ और सुखी जीवन जीने को प्रेरित किया जाए।

सरकार देश को नशा मुक्त बनाने के लिए ज़ीरो टॉलरेंस नीति पर कार्य कर रही है तथा सभी को सरकार की इस मुहिम में अपना सहयोग करना चाहिए।

डीसी इमरान रजा ने आह्वान किया कि युवा वर्ग नशे की प्रवृत्ति से दूर रहकर अपनी ऊर्जा का प्रयोग सकारात्मक कार्यों में करें। नशे की समस्या समाज के लिए एक चिंतनीय समस्या है। आम नागरिक विशेषकर युवा नशे की गिरफ्त में आकर अपने लक्ष्य से भटक रहे हैं।

एसपी दीपक सहारण ने दाखिल मरीजों को प्रेरित करते हुए कहा कि नशा मौत के कुएं के समान है, अभी भी वक्त है संभल जाओ, नहीं तो ज़िन्दगी बर्बाद हो जाएगी। उन्होंने कहा कि रेवाड़ी जिला को नशा व अपराध मुक्त बनाने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है। इस बुराई को समाज से मिटाने तथा नशा मुक्त व अपराध मुक्त समाज का निर्माण करने के लिए सभी को आगे आना होगा। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि जिला पुलिस द्वारा अपराध व नशा मुक्त समाज बनाने के लिए चलाई जा रही मुहिम में भी बढ़-चढ़कर भाग लें। यदि कोई व्यक्ति नशा बेच रहा है अथवा सेवन कर रहा है तो इसकी सूचना पुलिस-प्रशासन व हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के टोल फ्री मोबाइल 9050891508 पर दें।

इस मौके पर एसडीएम रेवाड़ी होशियार सिंह, डीडीपीओ एचपी बंसल, डीएसडब्लूयूओ रेनूबाला, डीआईपीआरओ दिनेश कुमार, डीसीडब्लूयूओ विरेन्द्र यादव सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

यमुना का पानी खेतों में आया 5500 एकड़ खेत जलमग्न

सोनीपत। यमुना ने भंडारे को पार कर दो किलोमीटर अंदर खेतों में पानी पहुंच गया है। हथिनी कुंड बैराज से लगातार छोड़ा जा रहा पानी सोनीपत क्षेत्र में पहुंचने के बाद लगातार हालात बिगड़ने लगे हैं। बुधवार दोपहर बाद बेगा गन्नौर और मुरथल क्षेत्र के गांव मच्छरोला, भैरा बांकीपुर यमुना के पानी ने कटाव शुरु कर दिया है। इससे लगभग 30 गांवों में पानी का का जलजला फसलों को बहाने लग रहा है। गन्नौर से दिल्ली क्षेत्र तक का लगभग 5500 एकड़ रकबा पानी में डूब गया है। हथिनी कुंड बैराज से छोड़ा गया पानी 36 घंटे में गन्नौर सोनीपत क्षेत्र में पहुंचता है 11 जुलाई की सुबह 9 बजे 321000 क्यूसेक, 11 बजे 359000 क्यूसेक, सांय 4 बजे 249000 क्यूसेक, सांय 7 बजे

242213 क्यूसेक,सांय 08 बजे 237000 क्यूसेक, सांय 9 बजे 235000 क्यूसेक, जलस्तर 3 लाख 59000 क्यूसेक से घटकर बुधवार सुबह 10 बजे 01 लाख 49025 क्यूसेक व 11 बजे 1 लाख 13000 जलस्तर रह गया है। दोपहर 12 बजे 136000 क्यूसेक, दोपहर बाद 02 बजे 130604 क्यूसेक, सांय 05 बजे 127800 क्यूसेक पानी चल रहा है पानी चल रहा है पानी चल रहा है। सोनीपत क्षेत्र में आने से जाजल से टोंकी रोड पर पानी भरा जिससे रास्ता टूट है। गांव जाजल के पास बिजली लाइन में फाल्ट आ गया। शहर सोनीपत में पेयजल संकट हो गया है। गांव जाजल के रेनीवेल से आधे शहर में पीने के पानी की सप्लाई होती है। सूचना मिलने के बाद गन्नौर के तहसीलदार मनोज कुमार, सिंचाई विभाग के एसई आरके बोडवाल व एक्सईएन गुलशन टीम के साथ मौके पर पहुंचे हुए हैं। 11 लोग व महिलाएं पानी में फंसे गांव से सरपंच के पति जयराम शर्मा व अन्य ग्रामीणों के सहयोग से जेसीबी की मदद ली और से कटाव रोका गया। प्रशासनिक अधिकारियों ने लोगों की मदद लेकर पानी में फंसे ग्रामीणों को बचा लिया गया। यमुना क्षेत्र के बेगा, पीर गढी, गढी बिलंदा, पबनेरा, घसौली, दातौली, गांव दहिसरा, भैरा बांकीपुर, खुर्मपुर, मनौली, टोंकी, पबसरा, टांडा, झुंडपुर, जाजल, गढ़ मिरकपुर, नांदनौर, टिकौला आदि अलर्ट कर दिया है। बेगा के युनूस नंबरदार ने बताया कि इन गांवों के खेतों में लगभग 5500 एकड़ से अधिक में किसानों को फसल का नुकसान हुआ है।

पीओसीएसओ मामले के तहत आरोपी परमानंद को किया सभी आरोपों से बरी : एडवोकेट नवीन आर्य

रोहतक। वकील नवीन आर्य ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि उन्हें गर्व है कि उन्होंने एक पीओसीएसओ मामले में विजय प्राप्त की। माननीय श्री नरेश कुमार एडीजे रोहतक की अदालत ने आरोपी परमानंद को सभी आरोपों से बरी कर दिया है। इस मामले के मुख्य वकील नवीन आर्य ने कहा है कि यह स्पष्ट रूप से एक कानून का दुरूपयोग करने बारे एक झूठा मुकदमा था जो कुछ पुलिस अधिकारियों की सांठगांठ से आरोपी परमानंद के ऊपर लगाया गया था। परमानंद को पीओसीएसओ जैसे संगीन मामले में शिकायकर्ता ने झूठा फंसाया था। न्यायिक फाइल पर उनके खिलाफ बहुत सारे सबूत मौजूद हैं। एडवोकेट नवीन आर्य ने बताया कि साक्ष्य में यह सामने आया है कि इस मामले में कुछ पुलिस अफसरों की भागीदारी है, जिसका सबूत एक आवाज की रिकॉर्डिंग में मिला है। इस रिकॉर्डिंग में शिकायकर्ता की बात उसके दोस्त प्रवीण से रिकॉर्ड की गई है। जिसमें पुलिस द्वारा झूठे मामले को दर्ज करने बारे बात करना पाया गया है। अतः एडवोकेट नवीन आर्य ने कहा कि हमेशा सच की ही जीत होती है।

झज्जर जिले में कई जगह जलभराव से परेशानी

झज्जर। अधिक बारिश होने से जिले के कई स्थानों पर ग्रामीणों को जलभराव की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। छारा के साथ गांव रिवाड़ी खेड़ा के चारों तरफ खेतों में पानी-ही पानी नजर आ रहा है। गांव की कई गलियों में भी पानी घुस गया है। बेरी कस्बे के राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के परिसर में पानी जमा हो गया है। जिससे स्कूल प्रबंधन को कक्षाएं एक धर्मशाला में लगानी पड़ रही हैं।

गांव रिवाड़ी में बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। गांव अभी तो बारिश के मौसम का एक सप्ताह ही गुजरा है, बाकी सीजन में भी इसी तरह बारिश होती रही तो न केवल हरेक गली में बल्कि घरों में भी पानी घुस जाएगा। गांव के सरपंच ने तीन-चार दिन तक मदद के लिए प्रशासन के दरवाजों पर दस्तक दी, लेकिन प्रशासन ने भी हाथ खड़े कर दिए हैं। अधिक बारिश के चलते पहले तो करीब 4000 आबादी वाले गांव रिवाड़ी खेड़ा का छोटा तालाब ओवरफ्लो हुआ।

इसमें से पानी गांव से छुड़ानी वाले रास्ते के साथ बड़े तालाब में जाता है। यह तालाब भी ओवरफ्लो हो गया और इसके साथ आठ एकड़के ऑक्सीजन पार्क में पानी भरने से बड़ा तालाब और यह पार्क भी एक बड़ी झूल से नजर आने लगे हैं।

ऑक्सीजन पार्क के हाजरों पौधे व वृक्ष खराब हो रहे हैं। अब पानी गांव की ओर पहुंच गया है। खेतों में पानी भरने से फसलें व चारा नष्ट हो रहा है, जिससे पशुओं के लिए चारे का संकट खड़ा हो सकता है। ग्राम पंचायत छारा ने मदद के तौर पर ग्राम पंचायत रिवाड़ी खेड़ा की पंचायत को कुछ पाइप और पंपिंग सेट उपलब्ध करवाए हैं। तब निकासी शुरू हुई है। हालांकि राहत मिलने में कई दिन लगेंगे। पंप के जरिए पानी केसीबी ड्रेन में छोड़ा जाएगा, जहां से यमुना में जाएगा।

उधर, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में एक से अढ़ाई फुट तक पानी जमा हो गया था। जिससे बुधवार को कक्षाएं कस्बे की एक धर्मशाला में लगानी पड़ी। इससे पहले रविवार के बाद सोमवार व मंगलवार को स्कूलों में अवकास रहा। अब नगर पालिका ने पंप लगाकर निकासी आरंभ की है। जनस्वास्थ्य विभाग के कनिष्ठ अंभियता लोकेश का दावा है कि अगले 2-3 दिन बारिश नहीं हुई तो स्कूल से सारा पानी निकाल दिया जाएगा। गौरतलब है कि सरकार ने बेरी के स्कूल को आदर्श स्कूल तो घोषित कर दिया है, लेकिन स्कूल में जलभराव का समाधान कई वर्षों से नहीं हो रहा। स्कूल के नए भवन का निर्माण पिछले 4 साल से पूरा नहीं हो पाया है। इसलिए जब तक स्कूल में पानी की निकासी नहीं होती है, तब तक धर्मशाला में कक्षाएं लगाई जाएंगी। नया भवन समय पर बन जाता तो धर्मशाला में कक्षाएं नहीं लगानी पड़ती।

भट्टू में कमरे में फंदे पर लटका मिला कृषि विभाग के एडीओ का शव

फतेहाबाद। जिले के भट्टू क्षेत्र के कृषि विभाग के एडीओ का शव संदिग्ध परिस्थितियों में उनके कमरे में फांसी के फंदे पर लटका मिला है। इस बारे सूचना मिलते ही भट्टूकलां पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो पाया कि कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था और अंदर एडीओ का शव फंदे पर लटक रहा था। एडीओ राजस्थान के पीलीबंगा का रहने वाला हैं, इसलिए उनके परिजनों को सूचित कर दिया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार कृषि विभाग भट्टू के एडीओ विशाल भादू मूल रूप से राजस्थान के पीलीबंगा के रहने वाले थे। उनकी भट्टू में ड्यूटी होने के चलते वे यहां मॉडल टाऊन में मकान किराये पर लेकर रह रहे थे। बुधवार को उन्होंने अपने एक कारिंदे को बुलाया था, जब वह मौके पर पहुंचा तो देखा कि कमरे का गेट अंदर से बंद था। काफी आवाज लगाने पर ही गेट नहीं खुला

तो उसने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और कमरे में लगे एसी की खिडक़ी से देखा तो उनका शव अंदर फांसी के फंदे पर लटका मिला।

सीएम फ्लाइंग के सब इंस्पेक्टर के अनुसार कुछ किसानों ने कपास का मुआवजा सरकार से व धान का मुआवजा बीमा कंपनी से गलत तरीके से लिया गया और किसानों ने कृषि विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों से मिलीभगत कर झूठे दस्तावेज तैयार किए। इस पर पुलिस ने 17 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

बता दें कि बीते दिवस डबवाली सदर पुलिस ने वहां चार्ज पर रह चुके एडीओ विशाल भादू के अलावा कृषि विभाग के सुपरवाइजर, एक पटवारी व 14 किसानों के खिलाफ सीएम फ्लाइंग के सब इंस्पेक्टर राजेश कुमार की शिकायत पर मामला दर्ज किया था। सीएम फ्लाइंग ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि उन्होंने वर्ष 2021 खरीफ की प्रति हेक्टेयर रिपोर्ट, पटवारी द्वारा तैयार गिरदावरी रिपोर्ट, मुआवजा राशि की रिपोर्ट और किसानों द्वारा डाले गए क्लेम की रिपोर्ट का अवलोकन किया। इस दौरान यह सामने आया कि गांव पाना में गिरादवरी रिपोर्ट अनुसार 40 हेक्टेयर में ही धान की फसल बोई थी जबकि किसानों द्वारा 104.71 हेक्टेयर भूमि में धान की फसल दिखाकर 37 लाख से ज्यादा का बीमा क्लेम ले लिया। पटवारी की खराबा रिपोर्ट में 2021 में पाना गांव में 550 हेक्टेयर में नरमा बुआई हुई थी, जिसमें 34 से 50 प्रतिशत नुकसान था, जिसके लाखों रुपए सरकार ने बांटे।

रेक्जाविक के पास भयानक ज्वालामुखी विस्फोट

लंदन । आइसलैंड के राजधानी रेक्जाविक के पास भयानक ज्वालामुखी विस्फोट हुआ है। हालांकि, इस विस्फोट में किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ है। अधिकारीयों ने जानकारी दी कि विस्फोट में किसी को कोई हानि नहीं हुई है। ज्वालामुखी देश के दक्षिण-पश्चिम में रेक्जेन्स प्रायद्वीप पर स्थित है, जिसे भूकंपीय हॉटस्पॉट के रूप में जाना जाता है। विस्फोट से सबसे बड़े हवाई अड्डे से जोड़ने वाली मुख्य सड़क कुछ समय के बाधित हुई जिसके वजह से विमानों की उड़ान में देरी हुई। ज्वालामुखी विस्फोट आइसलैंड की राजधानी के सबसे बड़े हवाई अड्डे से केवल 20 मिल दूर हुआ है। यह इसके अंतिम विस्फोट के आधिकारिक तौर पर समाप्त होने के ठीक 11 महीने बाद आया है। यानि कि आइसलैंड में 2 साल के अंदर ये दूसरा सबसे बड़ा ज्वालमुखी विस्फोट है। मंगलवार को आइसलैंड प्रशासन ने पर्यटकों और अन्य दर्शकों को सावधानी बरतने की चेतावनी जारी की। उन्होंने कहा कि नजदीक न जाए क्योंकि माउंट फग्रादल्सफजाल से अभी भी भारी लावा और धुआं निकल रहा था।

वाहन की चपेट में आने से भारतीय श्र ?मिक की मौत, कंपनी में था ड्रायवर

सिंगापुर। सिंगापुर में एक भारतीय श्र ?मिक की वाहन के चपेट में आने से मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार वह श्र ?मिक अपने कार्यस्थल पर था, जहां एक वाहन ने टक्कर मार दी, ?जिससे 33 वर्षीय एक भारतीय श्रमिक की मौत हो गई। वह बीएसएन टेक इंजीनियरिंग में ड्राइवर था और जुरोंग वेस्ट में स्टार रेडी-मिक्स के साइट पर काम कर रहा था। जनशक्ति मंत्रालय, एमओएम के अनुसार, वह सामान उतारने के लिए एक टिपर ट्रक तैयार कर रहा था, तभी उसे एक रिवर्सिंग व्हील लोडर ने टक्कर मार दी। सिंगापुर सिविल डिफेंस फोर्स ने कहा कि एक पैरामेडिक ने उसे घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया। एमओएम ने कहा कि वह मामले की जांच कर रही है और उसने स्टार रेडी-मिक्स को वहां सभी वाहनों का संचालन बंद करने का निर्देश दिया है। गौरतलब है कि इस साल सिंगापुर में कार्यस्थल पर 14 मौतें हुई हैं। 2022 में 46 मौतें दर्ज की गईं। इसके पहले 2016 में सबसे अधिक 66 लोगों की मौत हुई थी। एमओएम ने कहा ?कि एक सामान्य सुरक्षा उपाय के रूप में, नियोक्ताओं को वाहनों से जोखिम को कम करने के लिए एक उचित यातायात प्रबंधन योजना लागू करनी चाहिए। यह घटना 20 वर्षीय एक अन?य भारतीय नागरिक की कार्यस्थल पर हुई मौत के ठीक बाद हुई है, जिसकी सिंगापुर में इमारत का एक हिस्सा गिरने से उसकी चपेट में आकरी मौत हो गई थी। पिछले महीने छह घंटे से अधिक समय तक चले बचाव अभियान के बाद उनका शव मलबे से बाहर निकाला गया था।

चीन दौरे पर जाएंगे अमेरिका के विशेष दूत केरी

वाशिंगटन। चीन के पारिस्थितिकी और पर्यावरण मंत्रालय ने कहा कि जलवायु मुद्दों पर अमेरिका के विशेष दूत जॉन केरी 16-19 जुलाई तक चीन का दौरा करेंगे, जो हाल के हफ्तों में बीजिंग की यात्रा करने वाले नवीनतम वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी हैं। केरी की यात्रा पिछले महीने राज्य सचिव एंटनी ब्लिंकन की यात्रा के बाद होगी और ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन के प्रस्थान के एक सप्ताह बाद होगी। उनकी अर्थव्यवस्थाओं के पैमाने को देखते हुए, जलवायु परिवर्तन के सबसे बुरे प्रभावों को रोकने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों के लिए अमेरिका और चीन के बीच सहयोग को महत्वपूर्ण माना जाता है। बीजिंग में रहते हुए येलेन ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों को इस मुद्दे पर मिलकर काम करने की जरूरत है। जलवायु विशेषज्ञों ने कहा है कि चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच चल रहे राजनीतिक तनाव को देखते हुए, उन्हें उम्मीद नहीं है कि केरी की यात्रा से जलवायु वार्ता में बहुत अधिक गति आएगी।

कनाडा के ब्रैम्पटन मंदिर की तरफ से ट्रूडो को लिखा पत्र

- तत्काल आवश्यक कदम उठाने का किया आग्रह

टोरंटो । कनाडा के ग्रेटर टोरंटो एरिया या जीटीए के एक प्रमुख मंदिर ने खालिस्तान समर्थक तत्वों द्वारा विरूपण सहित देश में भारत विरोधी और हिंदू विरोधी गतिविधियों में वृद्धि के बारे में चिंता व्यक्त की है और प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से हस्तक्षेप की मांग की है। ट्रूडो को लिखे एक पत्र में ब्रैम्पटन में भारत माता मंदिर के अध्यक्ष जेफ लाल ने कहा कि मंदिर के निदेशक मंडल भारत विरोधी और हिंदू विरोधी गतिविधियों में हालिया वृद्धि पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त करना चाहते थे। लाल ने ट्रूडो को लिखे अपने पत्र में कहा कि हम घृणा में चिंताजनक वृद्धि और इस मुद्दे को नियंत्रण से बाहर होने से पहले इसकी जड़ों तक संबोधित करने के लिए कनाडाई अधिकारियों द्वारा कार्रवाई की स्पष्ट कमी से परेशान हैं। इसने प्रधान मंत्री से इस मुद्दे के समाधान के लिए तत्काल और आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया। यह पत्र शुक्रवार को मंदिर के सामने युद्ध क्षेत्र शीर्षक वाले पोस्टर देखे जाने के कुछ दिनों बाद आया है। इन पोस्टरों में ओटावा में भारत के उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा और टोरंटो में महावाणिज्यदूत अपूर्व श्रीवास्तव को निशाना बनाया गया था और मंदिर के स्वयंसेवकों ने इन्हें हटा दिया था। एक महीने में यह दूसरी बार था जब मंदिर को इस तरह निशाना बनाया गया। जून में अलगाववादी समूह सिख फॉर जस्टिस द्वारा आयोजित तथाकथित पंजाब जनमत संग्रह को बढ़ावा देने वाला एक और पोस्टर भी मंदिर के फ्रॉन्ट में लगाया गया था। पोस्टरों में शनिवार, 8 जुलाई को टोरंटो में भारतीय वाणिज्य दूतावास के बाहर भारत विरोधी प्रदर्शन का समर्थन किया गया था।

चीन ने बेतहाशा गर्मी को लेकर जारी किया 'रेड अलर्ट'

बीजिंग । चीन में बेतहाशा गर्मी कोले कर रेड अलर्ट जारी किया गया है। यहां तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के अनुमान के बीच नियोक्ताओं को 'बाहरी काम' बंद करने का आदेश दिया है। शहरीय सरकार ने एक नोटिस में कहा कि, 5संबंधित विभाग और इकाइयां हीटस्ट्रोक की रोकथाम और कूलिंग के लिए आपातकालीन उपाय करें।' बता दें कि दुनिया भर में, लोग उच्च तापमान सहन कर रहे हैं, क्योंकि पृथ्वी का औसत तापमान रिकॉर्ड ऊंचाई पर बना हुआ है। चीन ने सरकारी विभागों को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया कि बुजुर्गों और बीमार लोगों को घर से बाहर न निकलने को कहा गया है। इस बारे में 'रेड अलर्ट' जारी किया गया है। इसमें कहा गया है कि नियोक्ताओं को 'आउटडोर परिचालन बंद कर देना चाहिए'। दरअसल, बीजिंग में 10 दिनों तक तापमान 35 डिग्री सेल्सियस (95 डिग्री सेल्सियस) से ऊपर दर्ज किया गया, जो साल 1961 के बाद सबसे लंबी अवधि है। पहले अधिकारियों ने जुलाई के महीने में चरम मौसम और 'कई प्राकृतिक आपदाओं' की चेतावनी दी थी। रिपोर्ट के अनुसार, चीन की मौसम एजेंसी ने बीजिंग और करीब 12 अन्य क्षेत्रों के निवासियों को घर के अंदर रहने की सलाह दी है, क?योंकि इस साल की पहली छमाही में चीन में हर महीने औसतन दिन का पारा 35 डिग्री से अधिक रहा। जून में बीजिंग में कुल 14 दिनों तक लू चली।

3 अरब डॉलर के कर्ज को मंजूरी, पाकिस्तान की डूबती नैया को मिल ही गया आईएमएफ का सहारा

इस्लामाबाद। वैश्विक ऋणदाता ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पाकिस्तान के लिए बहुप्रतीक्षित .3 बिलियन के बेलआउट को मंजूरी दे दी। पाकिस्तान और आईएमएफ पिछले महीने एक कर्मचारी स्तर के समझौते पर पहुंचे थे, जिससे नकदी की कमी वाले देश के लिए बहुत जरूरी फंडिंग हासिल हुई है। आईएमएफ ने कहा कि उसके कार्यकारी बोर्ड ने पाकिस्तान के आर्थिक स्थिरीकरण कार्यक्रम का समर्थन करने के लिए नौ महीने में धन जारी करने के समझौते को मंजूरी दे दी है। यह घोषणा पाकिस्तान और आईएमएफ द्वारा प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ, वित्त मंत्री इशाक डार और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक के बाद योजना पर सहमत होने के दो सप्ताह से भी कम समय बाद आई है। यह व्यवस्था पाकिस्तान के लिए एक चुनौतीपूर्ण आर्थिक मोड़ पर आती है। आईएमएफ ने एक बयान में कहा, कठिन बाहरी वातावरण, विनाशकारी बाढ़ और नीतिगत गलत कदमों के कारण वित्तीय वर्ष 2023 में बड़े राजकोषीय और बाहरी घाटे, बढ़ती मुद्रास्फीति और आरक्षित बफ़र्स में कमी आई है। बाद में आईएमएफ प्रमुख क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने एक बयान में कहा कि पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पिछले साल महत्वपूर्ण झटकों से बुरी तरह प्रभावित हुई है।

प्योंगयोंग उत्तर कोरिया के एक अज्ञात स्थल से हेवेसों-18 इंटरकांटिनेटल बैलेस्टिक मिसाइल छोड़ी गयी।

उत्तर कोरिया ने की पुष्टि, ह्वासोंग-18 बैलिस्टिक मिसाइल उसी ने दागी

सियोल। उत्तर कोरिया ने गुरुवार को पुष्टि की है कि उसने पिछले दिन ह्वासोंग-18 बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण के दौर पर दागी है। उत्तर कोरिया ने अमेरिका को आगाह करते हुए कहा कि हमने ही ठोस-ईंधन अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) का परीक्षण किया था। इसके साथ ही उसके नेता किम जोंग-उन ने संकल्प लिया कि अमेरिका जब तक प्योंगयांग के खिलाफ अपनी शत्रुतापूर्ण नीति जारी रखेगा तब तक वह अपनी सेना को मजबूत करना जारी रखेंगे। प्योंगयांग के मी?डिया में आई खबरों के अनुसार उत्तर कोरिया ने देश की मुख्य हथियार प्रणाली की तकनीकी विश्वसनीयता और परिचालन विश्वसनीयता की पुष्टि करने के उद्देश्य से एक परीक्षण में ह्वासोंग -18 मिसाइल का एक नया प्रकार लॉन्च किया। एक रिपोर्ट के अनुसार, 13 अप्रैल को अपने पहले परीक्षण-फायरिंग के बाद इसने उत्तर कोरिया के दूसरे ठोस-प्रणोदक आईसीबीएम लॉन्च को चिह्नित किया।

गौरतलब है कि ठोस-ईंधन आईसीबीएम उच्च तकनीक हथियार प्रणालियों में से एक है, जिसे किम ने विकसित करने का संकल?प लिया है। ठोस-ईंधन मिसाइलों को तरल-प्रणोदक मिसाइलों की तुलना में लॉन्च से पहले पता लगाना कठिन माना जाता है, इसके लिए अधिक प्री-लॉन्च तैयारियों की आवश्यकता होती है। उत्तर कोरिया ने कहा कि पूर्वी सागर में पूर्व-निर्धारित क्षेत्र पर सटीक रूप से उतरने से पहले, ह्वासोंग -18 ने 6,648.4 किमी की अधिकतम ऊंचाई पर 4,491 सेकंड के लिए 1,001.2 किमी की उड़ान भरी थी। विशेषज्ञों के अनुसार, इसकी उड़ान का समय उत्तर कोरियाई आईसीबीएम के लिए अब तक का सबसे लंबा समय था, और यदि इसे एक मानक प्रक्षेपवक्र पर दागा जाता, तो मिसाइल 15 हजार किमी से अधिक उड़ान भर सकती थी।

अब समुद्र का सुपरपावर बनेगा भारत,

मोदी-मैक्रों की 96 हजार करोड़ वाली डील के बारे में सुनकर पाकिस्तान-चीन के छूटे पसीने

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के साथ चीन के लिए एक साथ कई खबरें फ्रांस से आ रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 से 15 जुलाई, 2023 तक फ्रांस और संयुक्त अरब अमीरात की आधिकारिक यात्रा पर हैं। वहां नौसेना के लिए फाइटर जेट सबमरीन के साथ हेलीकॉप्टर इंजन पर भी बड़े फैसले की उम्मीद है। फ्रांस में डील के बाद हिंद महासागर में भारत की ताकत कितनी बढ़ेगी और इसका चीन पाकिस्तान पर क्या असर होगा इसके बारे में आपको इस रिपोर्ट के माध्यम से बताते हैं। पीएम मोदी 14 जुलाई को बैस्टिल डे परेड में सम्मानित अतिथि होंगे, जहां त्रि-सेवाएं (सेना, नौसेना, वायु सेना) भारतीय सशस्त्र बल की टुकड़ी भाग लेगी। चैंप्स एलिसीज़ पर बैस्टिल दिवस परेड के बाद, औपचारिक प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता आयोजित की जाएगी। अपनी फ्रांस यात्रा के दौरान पीएम मोदी मैक्रों से औपचारिक बातचीत करेंगे। फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रॉन एलिसी पैलेस में अपने आधिकारिक आवास पर भारतीय प्रधान मंत्री के सम्मान में एक राजकीय भोज और एक निजी रात्रिभोज का भी आयोजन करेंगे।

क्यों अहम है पीएम मोदी का फ्रांस दौरा?

पीएम मोदी की पेरिस यात्रा का विशेष महत्व है क्योंकि इस वर्ष भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी की 25वीं वर्षगांठ है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि प्रधान मंत्री मोदी की यात्रा रणनीतिक, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक, शैक्षणिक और आर्थिक सहयोग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भविष्य के लिए साझेदारी की रूपरेखा तैयार करने का अवसर प्रदान करेगी। ये उम्मीद है कि इस दौरान भारत सरकार फ्रांस के साथ 26 राफेल-एम और तीन स्कॉर्पीन पनडुब्बियों की खरीद को लेकर डील करे। यह डील करीब 96 हजार करोड़ रुपए की होगी।

तीन स्कॉर्पीन क्लास सबमरीन की डील

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फ्रांस दौरे से उम्मीद लगाई जा रही है कि इस दौरान तीन स्कॉर्पीन क्लास सबमरीन की डील का ऐलान हो सकता है। इंडियन नेवी को इसकी सख्त जरूरत है, क्योंकि नेवी के पास इस वक्त 16 कन्वेंशनल सबमरीन ही सर्विस में हैं। ये भी काफी पुरानी हो गई हैं। नेवी को नई सबमरीन की जरूरत है और छह अडवांस्ड कन्वेंशनल सबमरीन के लिए प्रोजेक्ट-75 इंडिया में पहले ही देर हो चुकी है। अगर फ्रांस के साथ तीन अतिरिक्त सबमरीन का ऐलान होता है तो नेवी को कम होती सबमरीन के बीच कुछ राहत मिल सकती है।

नेवी के पास कितनी सबमरीन

नेवी के पास इस वक्त जो सबमरीन हैं, उसमें सात रूस की किलो-क्लास सबमरीन हैं, चार जर्मनी की एचडीडब्लू सबमरीन हैं और पांच फ्रांस की स्कॉर्पीन क्लास सबमरीन हैं। इसमें से भी जो किलो क्लास और एचडीडब्लू सबमरीन हैं वह पुरानी हो गई हैं। उनकी लाइफ बढ़ाने के लिए मिडियम रीफिट- लाइफ सर्टिफिकेशन प्रोग्राम चल रहा है। इसमें सबमरीन को अपग्रेड किया जाता है और इससे उसकी लाइफ करीब 10-15 साल बढ़ जाती है। रूस से भारत ने 10 किलो क्लास सबमरीन ली थी। इसमें सिंधुरक्षक एक्सिटेंड में नष्ट हो गई, सिंधुवीर को म्यांमार को दे दिया गया और सिंधुध्वज 35 साल की सर्विस के बाद जुलाई 2020 में नेवी से डीकमिशन हो गई। किलो क्लास की एक सबमरीन INS सिंधुकीर्ति को हाल में नॉर्मल रीफिट किया गया है।

सीमा हैदर के भारत आते ही पाकिस्तान में हिंदुओं पर खुलेआम हमले की धमकी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान से भारत भाग कर आईं सीमा हैदर भले ही भारत की जेल में रहना मुनासिब समझ रही है, लेकिन पाकिस्तान में हिन्दुओं को मारने की खुलेआम धमकी दी जा रही है। गौरतलब है कि सीमा हैदर ने अपनी मोहब्बत के लिए भारत आकर पाकिस्तान में रह रहे हिंदुओं के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। बता दें कि सीमा हैदर की मुलाकात पबजी गेम के जरिए भारत के सचिन से हुई थी। कुछ दिनों की बातचीत के बाद वह सबकुछ छोड़कर भारत आ गईं और उन्होंने हिंदू धर्म अपना लिया। लेकिन उनके भारत आने के कारण कट्टरपंथी पाकिस्तान में रहने वाले हिंदुओं और मंदिरों पर हमले की धमकी दे रहे हैं। सीमा हैदर मामले के बाद डकैतों की ओर से धमकी के कारण सिंध के हिंदू डरे हैं। लोगों ने मंदिरों में जाना कम कर दिया है। वहां के डकैतों की ओर से धमकी मिलने के बाद मंदिरों के करीब और स्थानीय इलाकों में पुलिस बल तैनात किया गया है। सिंध के कच्चा इलाके में गैंग चलाने वाले डकैत उमर शार ने धमकी दी है कि अगर हमारी सीमा का मुद्दा हल नहीं हुआ तो मैं बक्शपुर, काशमोर और बाकी इलाकों में मंदिरों पर हमला करूंगा। जब वह धमकी भरा वीडियो बना रहा था तब उसके हाथ में कई ग्रेनेड थे। वह अपने साथियों के साथ बैठा था। उसने यह भी कहा कि इन लोगों को पहले ही टार्गेट सौंप दिए गए हैं। सिंध के डकैत उमर शार ने एसएसपी घोटकी तनवीर तुनियो को चेतावनी देते हुए कहा कि पुलिस भी हमले से हिंदुओं को नहीं बचा पाएगी। सोशल मीडिया पर उसके कई वीडियो सामने आ रहे हैं, जिससे ऐसा लग रहा है, कि सीमा की घर वापसी का जिम्मा डकैतों ने उठा लिया है। मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार हिंदू मंदिरों की देखभाल करने वालों को उनकी एक्टिविटी को प्रतिबंधित करने का निर्देश दिया गया है। यहां के एक स्थानीय हिंदू ने बताया कि इलाके में होने वाला एक सत्संग सुरक्षा को देखते हुए रद्द कर दिया गया। यहां 300 महिलाएं सत्संग में पूजा करती हैं। लेकिन एहतियाती उपाय के तहत हमने इसे रद्द कर दिया है। एक अन्य स्थानीय हिंदू ने कहा, कोई उचित सुरक्षा नहीं है। मैं इससे संतुष्ट नहीं हूं। वहीं एक शख्स ने कहा कि सीमा के मामले से हमारा कोई संबंध नहीं है। सिंध में कानून व्यवस्था हिंदुओं के अनुकूल नहीं है। हमारी लड़कियों का नियमित अपहरण हो रहा है और उन्हें जबरन इस्लाम कबूल कराया जा रहा है।

चांद पर इंसान को भेजने की तैयारी में चीन

-अमेरिका ने 50 साल पहले भेजा था

बीजिंग (एजेंसी)। पूरी दुनिया वर्तमान में चांद पर पहुंचना चाहती है। अमेरिका ने आज से 50 साल पहले इंसान को चांद पर भेजा था। भारत चंद्रयान-3 मिशन के द्वारा अपना रोवर चांद पर भेजना चाहता है। वहीं चीन चांद पर इंसानों को भेजने वाला दूसरा देश बनना चाहता है। चीनी अधिकारियों नें अपने मानवयुक्त चंद्रमा मिशन से जुड़ी खोज के विवरणों का खुलासा किया है। रिपोर्ट के मुताबिक चीन मानवयुक्त अंतरिक्ष एजेंसी (सीएमएसए) के उप मुख्य इंजीनियर झांग हैलियन ने वुहान में एक एयरोस्पेस शिखर सम्मेलन में प्लान का खुलासा किया।

हैलियन के मुताबिक यह मिशन 2030 से पहले होने की उम्मीद है। चांद पर रिसर्च स्टेशन स्थापित करने की परियोजना का हिस्सा है। हैलियन ने कहा कि चांद पर जाने वाले अंतरिक्ष यात्री रिसर्च स्टेशन के निर्माण करने के बेहतरीन तरीकों का पता लगाएंगे। डॉकिंग के बाद अंतरिक्ष यान में सवार चीनी अंतरिक्ष यात्री लैंडर में प्रवेश होगा, जो चंद्रमा की सतह पर उतरेगा।

चांद पर रहते हुए वे नमूने इकट्ठा करने और कई वैज्ञानिक जांच करने वाले हैं। यहां से बाद में वह फिर लैंडर में जाएंगे जो उड़ान भर कर फिर से अंतरिक्ष यान के साथ जुड़ेगा और उन्हें वापस पृथ्वी पर लाएगा। चीनी वैज्ञानिक वर्तमान मिशन से जुड़ी तैयारी कर रहे हैं। वह मूनसूट, मानवयुक्त चंद्र रोवर, मानवयुक्त अंतरिक्ष यान और मून लैंडर सहित सभी उपकरणों को विकसित करने में व्यस्त हैं।

यूक्रेन की मदद करने उतरे जी-7 देश, गुस्साएं रुसी मंत्री ने दी तीसरे विश्वयुद्ध की धमकी

मॉस्को (एजेंसी)। नाटो शिखर सम्मेलन में यूक्रेन के लिए एक सुरक्षा पैकेज पर हस्ताक्षर हुए हैं। यह देखकर पुतिन के सहयोगी दिमित्री मेदवेदेव ने चेतावनी दी है कि दुनिया तीसरे विश्वयुद्ध के मुहाने पर खड़ी है। क्रेमलिन की शक्तिशाली सुरक्षा परिषद के उप सचिव मेदवेदेव ने कहा कि ये सहायता रूस को अपने लक्ष्यों को हासिल करने से नहीं रोक सकेगी। लिथुआनिया में नाटो शिखर सम्मेलन के खत्म होने के पहले दिन मेदवेदेव ने कहा, पूरी तरह से पागल पश्चिम और भी कुछ नहीं सोच सका। तीसरा विश्वयुद्ध करीब है।

उन्होंने कहा, ये सब हमारे लिए क्या मायने रखता है। स्पेशल मिलिट्री ऑपरेशन अपने लक्ष्यों के साथ जारी रहेगा। इस बीच जी-7 देशों ने नाटो शिखर सम्मेलन से अलग एक संयुक्त घोषणा पर हस्ताक्षर कर यूक्रेन के साथ जब तक संभव हो तब तक खड़े होने का वादा किया। यूके, अमेरिका, जापान, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी और इटली के नेताओं ने एयर डिफेंस सिस्टम, आर्टिलरी, बख्तरबंद गाड़ियां देने से जुड़ा समझौता किया। वहीं ब्रिटेन का और भी ज्यादा यूक्रेनी पायलटों को ट्रेनिंग देगा।

ब्रिटेन का कहना है कि जो भी ऑफर किया जाएगा, वह एग्रीमेंट में लिखा होगा। जी-7 नेताओं ने एक संयुक्त घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किया। यूक्रेन की डिफेंस इंडस्ट्री को बढ़ावा देने और साइबर सपोर्ट का भी लक्ष्य जी-7 ने रखा है। इसके साथ ही जी-7 देशों ने यूक्रेन को नाटो सदस्य बनाने पर प्रतिबद्धता जाहिर की हैं।

इस दौरान लगातार बढ़ रहे युद्ध के बीच मेदवेदेव ने बार-बार न्यूक्लियर वॉर की धमकी दी। हफ्ते भर पहले उन्होंने चेतावनी दी थी कि दुनिया तीसरे विश्वयुद्ध की कगार पर खड़ी है और परमाणु युद्ध का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। इसके लिए पश्चिमी देश दोषी हैं। वहीं, पुतिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने मेदवेदेव की धमकियों को दोगुना किया है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने इंडोनेशिया में आसियान समूह के अपने समकक्षों के साथ चर्चा की

जकार्ता (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संघ 'आसियान' के अपने समकक्षों के साथ सार्थक वार्ता की और और फिनटेक, खाद्य सुरक्षा और नौवहन सहित विविध क्षेत्रों में सहयोग में प्रगति की समीक्षा की। जयशंकर अभी इंडोनेशिया की राजधानी में आसियान देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने आए हैं। जयशंकर ने सिंगापुर के भारतीय मूल के विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन से मुलाकात की और समग्र सामरिक गठजोड़ के अनुपालन में हुई प्रगति का उल्लेख किया। विदेश मंत्री जयशंकर ने ट्वीट किया, '' आज सुबह आसियान-भारत विदेश मंत्रियों की गर्मजोशी भरी और सार्थक बैठक हुई। मेरे साथ सह अध्यक्षता करने के लिए विवियन बाला का धन्यवाद। समग्र सामरिक गठजोड़ के अनुपालन में हुई प्रगति को नोट किया।''

उन्होंने कहा, ''डिजिटल, फिनटेक, खाद्य सुरक्षा और नौवहन जैसे क्षेत्रों में अधिक ध्यान केंद्रित करने पर चर्चा की। म्यांमा की स्थिति पर विचारों का आदान प्रदान किया।'' जयशंकर ने कहा कि विवियन बाला से मुलाकात सुखद रही और वर्तमान वैश्विक स्थितियों एवं चुनौतियों पर अच्छी चर्चा हुई। ''हमारे द्विपक्षीय संबंधों में हाल के घटनाक्रम का सकारात्मक आंकलन किया।'' म्यांमा में फरवरी 2021 में तख्तापलट के बाद सेना ने सत्ता पर कब्जा कर लिया था और इसके बाद से देश में लोकतंत्र बहाली की मांग को लेकर व्यापक विरोध प्रदर्शन चल रहा है। म्यांमा में सेना द्वारा विरोधियों के खिलाफ हवाई हमला किये जाने की खबरें भी आई थीं। इंडोनेशिया की राजधानी में विदेश मंत्री जयशंकर ने ब्रुनेई के अपने समकक्ष दातो इराइवान पेहिन युसुफ से भी मुलाकात की।

जयशंकर ने ट्वीट किया, '' आसियान-भारत विदेश मंत्रियों की बैठक से इतर ब्रुनेई के विदेश मंत्री दातो इराइवान पेहिन युसुफ से मुलाकात की। हमारा द्विपक्षीय सहयोग सतत रूप से बढ़ रहा है। कारोबार बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया।'' उन्होंने कहा, '' हमने खाद्य सुरक्षा, आवाजाही, अंतरिक्ष सहयोग जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की।'' आसियान देशों में ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमा, फिलिपीन, सिंगापुर, थाईलैंड, वियतनाम शामिल हैं। जयशंकर ने इंडोनेशिया की विदेश मंत्री रेंटो मार्सुदी से मुलाकात की। उन्होंने ट्वीट कर यह जानकारी दी। विदेश मंत्री ने कहा कि रेंटो मार्सुदी के साथ द्विपक्षीय संबंधों का जायजा लिया और जी20 के त्रिगुट सदस्य के रूप में इंडोनेशिया के समर्थन को हम महत्व देते हैं।

बैठक से इतर जयशंकर ने दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री पार्क जिन से मुलाकात की और महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा की। उन्होंने ट्वीट कर कहा '' हमने अप्रैल में उनकी भारत यात्रा के दौरान हुई चर्चा को आगे बढ़ाने पर बातचीत की। '' विदेश मंत्री ने कहा, '' हमने महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा की।'' जयशंकर ने न्यूजीलैंड की विदेश मंत्री ननाया महुता से भी मुलाकात की। उन्होंने ट्वीट किया, ''न्यूजीलैंड की विदेश मंत्री ननाया महुता से मुलाकात अच्छी रही। आसियान हमारे बीच के इतने लोगों को साथ ले आया।'' विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को इंडोनेशिया, मलेशिया, ऑस्ट्रेलिया और वियतनाम समेत विभिन्न देशों के अपने समकक्षों के साथ कई बैठकें कीं और द्विपक्षीय सहयोग एवं आपसी हित के मुद्दों पर चर्चा की थी।

तृप्ति डिमरी और एमी विर्क संग नजर आएंगे विक्की कौशल

फिल्ममेकर करण जौहर जल्द ही रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के साथ निर्देशन के क्षेत्र में वापसी करने जा रहे हैं। वहीं इस फिल्म की रिलीज से पहले करण ने अपने प्रोडक्शन वेंचर की अगली फिल्म की घोषणा भी कर दी है। इस रोमांटिक कॉमेडी फिल्म में विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी और एमी विर्क नजर आने वाली हैं। करण जौहर निर्मित यह फिल्म 23 फरवरी

प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही इस फिल्म का निर्देशन आनंद तिवारी कर रहे हैं। इस फिल्म की जानकारी देते हुए करण ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। करण जौहर ने लिखा, एक फिल्म जो विभिन्न कारणों से मेरे दिल के बेहद करीब है.ज. अमृतपाल सिंह बिंद्रा (निर्माता और मेरे लिए परिवार) न केवल सामग्री और प्रतिभा की ताकत बन गए हैं, बल्कि मुझे इस बात पर गर्व है कि उन्होंने गर्मजोशी और रचनात्मकता की कंपनी कैसे बनाई है। एक कंपनी जो किसी भी व्यावसायिकता से ऊपर सद्भावना रखती है। आनंद तिवारी, उनके साथी और हमारी फिल्म के निर्देशक, सुनहरे दिल वाले शहर के सबसे मज़ेदार व्यक्ति हैं। उनकी फिल्म दोनों को पूर्ण रूप से दर्शाती है।

बॉलीवुड में बनते बिगड़ते रिश्ते कोई नई बात नहीं है। जहां कुछ सेलेब्स करीब आते हैं, तो बहुत से सितारों के रिश्ते तलाक की चौखट तक पहुंच जाते हैं। कुछ ऐसा ही रिश्ता था सिंगर और एक्ट्रेस सुचित्रा कृष्णमूर्ति और निर्देशक शेखर कपूर का।

तलाक के वर्षों बाद शादी पर खुलकर बोलीं एक्ट्रेस

सुचित्रा ने शेखर कपूर को कहा

बेवफा

सुचित्रा कृष्णमूर्ति और शेखर कपूर ने 12 साल तक शादी निभाने के बाद साल 1999 एक-दूसरे से तलाक ले लिया था। 2020 में दोनों के बीच हुए संपत्ति विवाद के कारण कपल फिर से चर्चा में आ गया था और अब एक इंटरव्यू में, सुचित्रा ने निर्देशक के साथ अपनी उथल-पुथल भरी शादी के बारे में खुलकर बात की.

सुचित्रा कृष्णमूर्ति ने हाल ही में फिल्म निर्माता शेखर कपूर के साथ अपने संबंधों के बारे में खुलकर बात की और स्वीकार किया कि निर्देशक ने उनकी शादी के दौरान उन्हें धोखा दिया था।

सुचित्रा ने शेखर को बेवफा बुलाते हुए बताया कि कैसे वह शेखर के प्रति टीनऐज से ही जुनूनी थीं और उनकी शादी आईं चुनौतियों पर भी चर्चा की। हाल ही में एक इंटरव्यू में सुचित्रा ने कहा कि शेखर कपूर ने उन्हें धोखा दिया था, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि शादियां बेवफाई के कारण नहीं टूटतीं। वह बोलीं, मुझे नहीं लगता कि शादियां बेवफाई के कारण टूटती हैं, वे डिसरिस्पेक्ट के कारण टूटती हैं। वह बोलीं, मेरे पति नहीं चाहते थे कि मैं अभिनय करूं। लेकिन मेरे लिए यह कोई बड़ी बात नहीं थी।

मैं नॉन फिल्मी परिवार से आई हूं। जब मैं स्कूल और कॉलेज में थी, तभी मुझे फिल्मों के ऑफर मिलने लगे। कॉलेज में मुझे कभी हां कभी ना करने का ऑफर मिला था। जब मैं कॉलेज में थी, मैंने एक मलयालम फिल्म की थी। मेरे माता-पिता बहुत सख्त थे, वे नहीं चाहते थे कि मैं अभिनय करूं। लेकिन मैंने उनसे झूठ बोला और एक फिल्म की शूटिंग के लिए कोच्चि चली गई। उसके बाद मैंने कई फिल्में कीं जो सुपरहिट रहीं। वह अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए बोलीं, लेकिन तब मेरे पति बिल्कुल स्पष्ट थे कि वह नहीं चाहते कि उनकी पत्नी अभिनय करे। मैं उस व्यक्ति की सोच को समझने के लिए बहुत भोली थी, जो आपसे काम न करने के लिए कह रहा था। लेकिन मेरे लिए यह कोई बड़ी बात नहीं थी, मुझमें महत्वाकांक्षा से ज्यादा प्रतिभा थी। इसलिए मैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरे जीवन में कभी कुछ रुकेगा, हालांकि ऐसा हुआ। सुचित्रा ने यह भी कहा कि उनके माता-पिता शेखर से उनकी शादी के खिलाफ थे क्योंकि सुचित्रा और शेखर के बीच उम्र का काफी अंतर था।

सुचित्रा ने बताया, मेरे माता-पिता इस शादी के खिलाफ थे क्योंकि शेखर उस समय मेरी मां की उम्र के थे और वह तलाकशुदा थे और फिल्म इंडस्ट्री से थे। मेरी मां मेरे पैरों में गिर गई थीं और मुझसे यह शादी न करने की विनती कर रही थीं। उन्होंने मुझसे अफेयर करने और इसे अपने दिमाग से बाहर निकालने के लिए कहा। लेकिन मुझे यकीन था कि मैं यही चाहती हूं और यह कुछ ऐसा है जिसे मैं खुद लेकर आई हूं।

जवान के टीजर पर

करण जौहर का आया रिएक्शन

मेगास्टार शाहरुख खान की अपकमिंग हाई-ऑक्टेन एक्शन थ्रिलर जवान का प्रीव्यू सोमवार को जारी किया गया, जिसने हर किसी को एक्साइटेड कर दिया है। प्रीव्यू में नयनतारा को हार्ड-कोर एक्शन में देखा गया। वहीं शाहरुख का नया लुक सामने आया, जिसमें वह गंजे दिखाई दे रहे हैं। इसमें विजय सेतुपति, दीपिका पादुकोण और सान्या मल्होत्रा की भी झलक दिखाई गई। इसे ब्लॉकबस्टर बताते हुए, फिल्म निर्माता करण जौहर ने एक इंस्टाग्राम स्टोरी में अपने भाई (शाहरुख) की तारीफ की और लिखा, भाई!! यह एक ब्लॉकबस्टर जगरनॉट बनने जा रही है! वाह, मैं इंतजार नहीं कर सकता!! करण जौहर ने इसके साथ रेड हार्ट इमोजी का भी इस्तेमाल किया। निर्देशक सुजॉय घोष ने प्रीव्यू की झलकियां साझा कीं और कहा-यार, जवान ट्रेलर के आखिरी कुछ सेकंड.... मनोरंजक चीजें! मैं आपको सैल्यूट करता हूं शाहरुख, बहुत अच्छा!! झूमे जो जवान... एक्ट्रेस राशि खन्ना ने फायर और हार्ट इमोजी के साथ कमेंट किया, उफ्फ!!!। जवान रेड चिलीज एंटरटेनमेंट प्रस्तुति है, जो एटली द्वारा निर्देशित, गौरी खान द्वारा निर्मित है। यह 7 सितंबर को हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज होगी।

मुझे मेल नहीं, बस फीमेल फैन्स से मतलब है : कुशाल टंडन

पॉपुलर टीवी एक्टर कुशाल टंडन टीवी शो बरसातें मौसम प्यार का से कई साल बाद वापसी कर रहे हैं। कुशाल की चाहत है कि उन्हें मिर्जापुर जैसी वेब सीरीज करने का मौका मिले। उनकी ख्वाहिश है कि लोग लुक्स के बजाय उनके काम पर ध्यान दें और एक्टिंग पर फोकस करें।

कुशाल टंडन को टीवी पर वापसी करने के लिए ऐसी लव स्टोरी की जरूरत थी, जो 'बेहद' से भी बेहतर हो। इस वजह से उन्होंने कई साल इंतजार किया। अब वह 'बरसातें मौसम प्यार का' में शिवांगी जोशी के साथ रोमांस करते नजर आएंगे। कुशाल कहते हैं कि मुझे मेल से नहीं बल्कि अपनी फीमेल फैन से मतलब है। मुझे ये कहने में कोई गुरेज भी नहीं है। 'मिर्जापुर' जैसी वेब सीरीज करने की चाहत रखने वाले कुशाल की तमन्ना है कि वह कोई ऐसा किरदार निभाएं, जिसमें उनके लुक्स की बजाए उनकी ऐक्टिंग को फोकस में रखा जाए।

टेलीविजन में नहीं लेकिन दूसरी चीजों में सक्रिय था

मैं टीवी पर काफी समय बाद आ रहा हूं लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि मैं ऐक्टिंग लाइन में सक्रिय नहीं था। मैंने जब टीवी नहीं किया तो तीन वेब सीरीज कीं। फिर उसके बाद कोविड आ गया। मुझे लगता था कि टीवी पर 'बेहद' के बाद कोई अच्छी लव स्टोरी आएगी तो वापसी करूंगा। मुझे 'बरसातें मौसम प्यार का' की लव स्टोरी बहुत अच्छी लगी। मुझसे जो लोग अपेक्षाएं रखते हैं कि मैं किसी सास-बहू के ड्रामे वाले शो में नजर आऊंगा तो वो उम्मीद लगाना छोड़ दें क्योंकि मैं इन्हें बिल्कुल भी नहीं कर सकता। मुझे तो बस एक खूबसूरत लव स्टोरी का इंतजार था कि 'बेहद' से अच्छा क्या होगा और अब वो मुझे मिल गई है।

किरदार जाने जाते हैं, मैं नहीं

मैं मानता हूं कि मेरे किरदार फेमस होते हैं, मैं नहीं। अच्छी बात ये है कि मैं उन भूमिकाओं को बहुत सच्चाई से निभा लेता हूं। आप खुद देखिए तो आपको लगेगा कि मैंने उनमें अपना 100 प्रतिशत दिया है। ऐसा ही दर्शकों को भी लगा इसीलिए उन्होंने मुझे इतना प्यार दिया। आप 'बरसातें...' में मेरा रेयांश का किरदार देखेंगे तो लगेगा कि मुझमें और मेरे किरदार में बहुत सी समानताएं हैं। उसके हाव-भाव और चाल-चलन बिल्कुल कुशाल से मिलते-जुलते हैं। एक बड़े न्यूज चैनल को चलाने वाला एटिट्यूड भी बिल्कुल मुझसे मेल खाता है। मैं वैसे भी थोड़ा अलग रहता हूं, कम बोलता हूं और जो कहना होता है तुरंत मुंह पर बोल देता हूं। ऐसा ही बिल्कुल मेरा किरदार भी है। मैंने टीवी या वेब सीरीज में जितने भी किरदार किए हैं, वो कहीं ना कहीं मुझसे मिलते-जुलते रहे हैं इसलिए उनको लेकर ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी। 'बरसातें...' की बात करें तो मुझे इसके लिए भी कोई खास तैयारी नहीं करनी पड़ी। मैं अपने मीडिया के दोस्तों से मिला। उनके हाव-भाव देखे। किरदार को लेकर ढेर सारी रिसर्च की और किरदार तैयार हो गया।

जितने माध्यम होंगे, उतने ही ज्यादा मौके मिलेंगे

ओटीटी के सवाल पर कुशाल कहते हैं कि जितने ज्यादा माध्यम होंगे, उतने ही ज्यादा लोगों को मौके मिलेंगे। हम जैसे कलाकारों को छोड़ भी दीजिए लेकिन जो नए एक्टर बड़े-बड़े सपने लेकर मुंबई आते हैं, उनके लिए ये बहुत बेहतर है। फिल्म, टीवी के बाद ओटीटी आने से काम की कमी पड़ती नहीं दिखती है। पिछले कुछ साल से ढेर सारी फिल्में, वेब सीरीज बन रही हैं। कुछ तो अपनी सीरीज यूट्यूब पर ही लॉन्च कर देते हैं। वो भी एक जरिया है। अगर कहीं ना मौका मिले और आपमें टैलंट हो तो

फॉलोअर्स बढ़ा लें। पता नहीं कितने यूट्यूब, टिकटॉक और इंस्टाग्राम के सितारे अब ऐक्टिंग इंडस्ट्री में आ गए हैं। जितने भी नए मीडियम आए हैं, उनका मकसद बस ऑडियंस तक पहुंचना है। ऐसे में जितने ज्यादा मीडियम होंगे, उतने ही ज्यादा कलाकारों को मौके मिलेंगे।

टीवी में ज्यादातर शो महिलाओं को ध्यान में रखकर बनते हैं

मैं किसी भी नए प्रोजेक्ट को चुनते समय किरदार और स्क्रिप्ट दोनों बड़े ध्यान से देखता हूं। हालांकि, मैं अपने किरदार को पहले प्राथमिकता देता हूं कि वह कितना मजबूत है। अगर स्क्रिप्ट अच्छी है और मेरा किरदार नहीं तो मैं उसे क्यों चुनूंगा। खासकर, टीवी में तो ये देखना ही पड़ता है। दरअसल, टीवी वुमन ओरिएंटेड ज्यादा है। इनमें महिलाओं को ध्यान में रखकर ही शो ज्यादा बनाए जाते हैं। बहुत कम शो ऐसे बनते हैं, जो मेल ओरिएंटेड हों। हां, ये अलग बात है कि कोई बहुत बड़े डायरेक्टर की फिल्म या सीरीज आ जाए और उसमें होने भर से ही मैं अपनी रीच बढ़ा लूं तो मैं जरूर करूंगा।

'मिर्जापुर' जैसी वेब सीरीज करने की चाहत

मैं कई साल से ऐसे किरदार निभा रहा हूं, जो कहीं न कहीं मेरे जैसे ही होते हैं। दरअसल, उनके हाव-भाव मुझसे मिलते हैं इसलिए मुझ पर सूट कर जाते हैं। अब मैं चाहता हूं कि ऐसी फिल्म या वेब सीरीज करूं, जिसमें मेरे लुक्स की बजाए मेरी ऐक्टिंग देखी जाए। मैं उत्तर प्रदेश के लखनऊ से हूं। मैं यूपीवाला टच या डाउन टु अर्थ किरदार करना चाहता हूं। आप कह सकते हैं 'मिर्जापुर' सीरीज के किरदारों की तरह। मैं ऐसी कहानी चाहता हूं, ताकि खुद को एक्सप्लोर कर सकूं। मेरे करने के लिए उसमें ढेर सारी चीजें हों। वहां मैं बिना बाल बनाए, बिना मेकअप किए हुए किरदार करूं। मुझे इस तरह की नेचुरल कहानी और किरदार चाहिए।

कोई स्ट्रगल नहीं करना पड़ा

कहने को ऐक्टिंग करियर में सबका एक स्ट्रगल होता है लेकिन मेरा कोई स्ट्रगल नहीं रहा। मैं 19 साल का था और दिल्ली में पढ़ाई कर रहा था, तब मैंने मिस्टर इंडिया का फॉर्म भर डाला और उसमें हिस्सा लेकर खिताब जीत लिया। इसके बाद मॉडलिंग में सीधे ए प्लस शो मिलने लगे। दो-तीन साल वो किया, फिर ऐक्टिंग सीखने अमेरिका चला गया। वहां से आया तो तुरंत शो मिलने लगे। ऊपरवाले का शुक्र है कि मुझे कोई ऐसा स्ट्रगल नहीं करना पड़ा, जिसको मैं याद रखूं। हां, बस ऐक्टिंग करियर की शुरुआत में मुझे डायलॉग याद करने के लिए स्ट्रगल करना पड़ता था, लेकिन धीरे-धीरे मैं इसमें अभ्यस्त होता चला गया। अब तो डायलॉग तुरंत याद हो जाते हैं।

मिर्जापुर 3 को लेकर नई अपडेट आई सामने, रसिका ने शुरू की डबिंग

पंकज त्रिपाठी और अली फजल की वेब सीरीज मिर्जापुर के दोनों सीजन को फैंस का खूब प्यार मिला है। अब इस सीरीज के तीसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। मिर्जापुर 3 की शूटिंग लखनऊ में हुई है और कुछ महीने पहले ही में शूटिंग रैप हुआ है। वहीं अब इस सीरीज में कालीन भैया की पत्नी बीना त्रिपाठी की भूमिका निभाने वाली एक्ट्रेस रसिका दुग्गल ने मिर्जापुर 3 को लेकर एक अपडेट शेयर किया है। रसिका ने मिर्जापुर 3 के लिए डबिंग का काम शुरू कर दिया है। रसिका दुग्गल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी एक तस्वीर शेयर की हैं। जिसमें वह डबिंग स्टूडियो में मॉनिटर के सामने खड़ी नजर आ रही हैं। रसिका ने पोस्ट शेयर कर लिखा, तैयार रहिए, मिर्जापुर 3 की डबिंग शुरू हो गई है। रसिका के इस पोस्ट से साफ है कि मिर्जापुर 3 का पोस्ट प्रोडक्शन अंतिम चरण की ओर बढ़ गया है। वेब सीरीज मिर्जापुर का पहला पार्ट साल 2018 में आया था और इसके ठीक दो साल बाद सीजन 2 स्ट्रीम हुआ था। मिर्जापुर 3 में पंकज त्रिपाठी, विजय वर्मा, दिव्येंदु शर्मा, विक्रांत मैसी, अली फजल, राजेश तैलंग, रसिका दुग्गल, हर्षिता शेखर गौड, श्वेता त्रिपाठी, अंजुम शर्मा, शीबा चड्ढा, अमित सियाल, ईशा तलवार और मनु ऋषि चड्ढा जैसे स्टार्स अपने अहम भूमिका में नजर आएंगे। यह सीरीज ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेज़न प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी।

करीना बहुत ही मेहनती और टैलेंटेड हैं: हंसल मेहता

बॉलीवुड के जाने माने निर्देशक हंसल मेहता अपनी वेब सीरीज 'स्कूप' को लेकर खूब सुर्खियां बटोर चुके हैं। दर्शकों को भी यह वेब सीरीज काफी पसंद आई थी और फैंस ने भी इस सीरीज को अपनी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी थी। अब हंसल एक बार अपने आगामी प्रोजेक्ट से साथ दर्शकों के समक्ष आ खड़े हुए है। इस फिल्म में वह करीना कपूर के साथ काम करने वाले हैं। अब निर्देशक ने करीना के साथ काम करने का अपना अनुभव बताया है। वेब सीरीज 'स्कूप' की सफलता के बाद फिल्म निर्माता हंसल मेहता वर्तमान में करीना कपूर के साथ एक अनटाइटल्ड थ्रिलर फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं, जिसमें अभिनेत्री एक जासूस की भूमिका निभाते नजर आएंगी। यह फिल्म को मुख्य रूप से लंदन में शूट किया गया है। इस फिल्म को एक नॉयर ड्रामा कहा जा रहा है। हाल ही में, एक साक्षात्कार में, मेहता ने अपनी फिल्म की मुख्य स्टार करीना के बारे में खुलकर बात की और कहा कि उनके साथ काम करना बेहद खुशी की बात है। निर्देशक ने उन्हें एक अच्छा कलाकार बताते हुए कहा कि फिल्म में हर कोई करीना का नया रूप देखेगा। उन्होंने आगे कहा कि बेबो के साथ उनका व्यवहार वैसा ही है जैसा वह राजकुमार राव, मोहम्मद जीशान अय्यूब और करिश्मा तन्ना के साथ साझा करते हैं। अपने आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर हंसल ने कहा, 'मैं एक संगीतमय और रोमांटिक फिल्म बनाना चाहता हूं। समस्या यह है कि बताने के लिए बहुत सारी कहानियां हैं, तलाशने के लिए बहुत सारी शैलियां हैं। मुझे लगता रहता है कि इन सब के लिए हमारे पास समय बहुत कम है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011